वर्ष-14 - अंक 98
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार ,17 जुलाई 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार
तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के
लिए संपर्क करें.......
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

डिजिटल न्याय व्यवस्था के साथ नैतिक मूल्यों की.................. 3
सुशासन की सबसे बड़ी परीक्षा.. 4
भगवान जगन्नाथ मंदिर में पारंपरिक 'पहंडी' अनुष्ठान श्रद्धा और उत्साह के साथ 02

जंतर-मंतर पहुंचे केजरीवाल, सोनम वांगचुक के आंदोलन को दिया समर्थन

पेपर लीक पर केंद्र सरकार को घेरा, बोले– हर साल युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़; 'वांगचुक को बनाया जाए शिक्षा मंत्री'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पहुंचकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की और कथित पेपर लीक मामलों के विरोध में चल रहे उनके आंदोलन का समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि देश के युवाओं और छात्रों की आवाज को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में बार-बार हो रहे प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने कहा, 'हर साल किसी न किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है और इसकी सबसे बड़ी कीमत मेहनत करने वाले छात्र चुकाते हैं। सरकार को छात्रों और सोनम वांगचुक की बात गंभीरता से सुननी चाहिए।' अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यदि बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जवाबदेही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'यदि सरकार वास्तव में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना चाहती है तो सोनम वांगचुक जैसे शिक्षाविद और समाजसेवी की सोच से सीख लेनी चाहिए।' इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि 'सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बना देना चाहिए।' अपने संबोधन में केजरीवाल ने वर्ष 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पहुंचकर उन्हें 4 अप्रैल 2011 की याद आ गई, जब वे सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन में इसी स्थान पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि उस समय जनता की आवाज बुलंद हुई थी और कुछ वर्षों बाद सत्ता परिवर्तन भी हुआ। केजरीवाल ने कहा कि 'जो सरकारें जनता की बात नहीं सुनतीं और जवाबदेही की जगह अहंकार को प्राथमिकता देती हैं, उन्हें अंततः जनता जवाब देती है।' केजरीवाल ने सोनम वांगचुक की सराहना करते हुए कहा कि वह किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि देश के छात्रों, युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आंदोलनों का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल लोगों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार देश के भविष्य के लिए आवश्यक है और सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस दौरान जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पेपर लीक की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने की मांग की।

> **'हर साल किसी न किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है और इसकी सबसे बड़ी कीमत मेहनत करने वाले छात्र चुकाते हैं। सरकार को छात्रों और सोनम वांगचुक की बात गंभीरता से सुननी चाहिए।' अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यदि बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जवाबदेही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'यदि सरकार वास्तव में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना चाहती है तो सोनम वांगचुक जैसे शिक्षाविद और समाजसेवी की सोच से सीख लेनी चाहिए।' इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि 'सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बना देना चाहिए।'**

लोकसभा में राष्ट्रीय गौरव कानून समेत कई अहम विधेयक लाएगी सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी में है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार ने दो नए विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। इनमें एक विधेयक राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन से संबंधित है, जबकि दूसरा विधेयक देश के संप्रभु ऋण (सॉवरेन डेट) बाजार को मजबूत करने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से लाया जा रहा है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। इससे पहले सरकार विधायी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटी है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सदन के नेताओं की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें सत्र के दौरान सरकार की रणनीति और विधायी एजेंडे पर चर्चा होगी। सरकार का पहला प्रस्तावित विधेयक राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन से जुड़ा है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय सम्मान से संबंधित प्रावधानों को अधिक प्रभावी बनाना बताया जा रहा है। वहीं दूसरा विधेयक देश के संप्रभु ऋण बाजार को सुदृढ़ करने के लिए लाया जाएगा, जिससे भारत में दीर्घकालिक और स्थिर विदेशी पूंजी निवेश को बढ़ावा मिल सके। इस बीच, विपक्ष ने मानसून सत्र में सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर ली है। विपक्ष नीट पेपर लीक, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के दौरान भारतीय नाविकों की मौत, पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण तथा अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है। ऐसे में आगामी सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। सत्र के दौरान संसद की एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) उस संविधान संशोधन विधेयक पर भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकती है, जिसमें गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने की स्थिति में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार संशोधित विधेयक पेश कर सकती है। चूंकि यह संविधान संशोधन से जुड़ा मामला है, इसलिए इसे पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। सरकार आगामी सत्र में महिला आरक्षण विधेयक के संशोधित स्वरूप को भी दोबारा पेश कर सकती है। इससे पहले पिछले सत्र में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक समर्थन नहीं मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा, सरकार परिसीमन (डिलिमिटेशन) विधेयक लाने पर भी विचार कर रही है।

स्कूली बच्चों से भरी कार ट्रैक्टर से टकराई, सात घायल

कन्नौज। जिले के नादेमऊ कस्बे में गुरुवार सुबह स्कूली बच्चों को लेकर जा रही एक कार की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। हादसे में एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि छह अन्य बच्चों को भी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद कार चालक बच्चों को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। वहीं ट्रैक्टर चालक भी घटनास्थल से भाग निकला। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एआरटीओ को जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब आठ बजे एक निजी स्कूल की टाटा स्पेसियो कार विभिन्न गांवों से बच्चों को लेकर नादेमऊ की ओर जा रही थी। कार में क्षमता से अधिक, करीब 22 स्कूली बच्चे सवार थे। मढ़पुरा गांव से बच्चों को लेने के बाद जैसे ही वाहन नादेमऊ कस्बे में पहुंचा, सामने से आ रहे ट्रैक्टर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

ममता का बागियों को अल्टीमेटम

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच बागी नेताओं को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जो लोग किसी भी दबाव या अपनी इच्छा से जाना चाहते हैं, वे 21 जुलाई से पहले अपना फैसला कर लें। उन्होंने कहा कि जो पार्टी के साथ रहेंगे, वही भविष्य की नई राह तैयार करेंगे। गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान ममता बनर्जी ने एक फिल्मी पृष्ठभूमि से आने वाली पार्टी सांसद के इस्तीफे का अप्रत्यक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि वह उनका सम्मान करती हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित सांसद ने पहले ही ई-मेल के माध्यम से अपने निर्णय की जानकारी दे दी थी और बाद में व्यक्तिगत रूप से मिलकर भी इसकी पुष्टि की। ममता ने कहा, 'मैं उनका धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने स्वयं आकर मुझे अपने फैसले से अवगत कराया।' हाल के दिनों में अभिनेत्री और टीएमसी सांसद कोयल मलिक के पार्टी छोड़ने की चर्चाओं के बीच ममता की यह टिप्पणी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि यदि कोई भाजपा, पुलिस, अदालत, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या सीआईडी जैसी एजेंसियों के दबाव में पार्टी छोड़ना चाहता है, तो वह ऐसा कर सकता है।

संक्षिप्त खबरें

जनसुनवाई में सख्त दिखे मंत्री ए.के. शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का निस्तारण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान विद्युत बिल संशोधन, नए बिजली कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना, पेयजल आपूर्ति, सीवर, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण समेत नगर विकास और ऊर्जा विभाग से जुड़ी अनेक शिकायतें सामने आईं। मंत्री ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने और शिकायतकर्ताओं को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्य काउंसिलिंग के तीसरे चरण में चॉइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रवेश सत्र 2026-27 के तहत संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (पॉलिटेक्निक) की मुख्य काउंसिलिंग के तृतीय चरण में ऑनलाइन चॉइस फिलिंग (विकल्प भरने) की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। परिषद ने अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक विकल्प भरने की अपील की है, ताकि उन्हें पसंदीदा संस्थान और पाठ्यक्रम में प्रवेश मिलने की संभावना बढ़ सके। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (पॉलिटेक्निक) के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि तृतीय चरण के अंतर्गत अभ्यर्थी 16 जुलाई से 19 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल पर लॉगिन कर अपने पसंदीदा संस्थानों और पाठ्यक्रमों के विकल्प भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी अंतिम समय का इंतजार न करें और समय रहते अपने विकल्प भरकर उन्हें लॉक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि परिषद की मुख्य काउंसिलिंग के प्रथम और द्वितीय चरण का संचालन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

तहसील बिसवां को मिले नए उपजिलाधिकारी न्यायिक सुधीर कुमार ने संभाला कार्यभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। तहसील बिसवां में नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार ने तहसील परिसर पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। तहसीलदार बिसवा अनिल कुमार राम ने नवागत उपजिलाधिकारी न्यायिक बिसवा सुधीर कुमार का स्वागत किया। उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार अयोध्या जनपद से स्थानांतरित होकर बिसवां आए हैं। बिसवा बार एसोसिएशन बिसवा के पूर्व अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव एड,वर्तमान अध्यक्ष राज किशोर यादव एड,महासचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव एड,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया एड,उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी एड कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया एड, संयुक्त सचिव जितेन्द्र कुमार मिश्रा एड आदि अधिवक्ताओं ने बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने न्यायिक कार्यों को निष्पक्ष,पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से संपादित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि न्यायालय में आने वाले प्रत्येक वादकारी को विधि के अनुरूप त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। तहसील परिसर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उनके आगमन से न्यायिक कार्यों में और अधिक गति एवं प्रभावशीलता आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

दि सेक्सरिया बिसवां सुगर फैक्ट्री द्वारा मरीजो के छय रोग जांच हेतु दो माइक्रोस्कोप मशीने कराई गई उपलब्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे छय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहद बिसवां दि सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री ने मरीजों के छय रोग की जांच के लिए गया प्रसाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां को दो माइक्रोस्कोप मशीन उपलब्ध कराई हैं। विगत वर्ष भी चीनी मिल ने तीन मशीने उपलब्ध कराई थी। इन मशीनों से मरीजों के बलगम खून जैसी जांच होगी। चीनी मिल के गन्ना महाप्रबंधक डॉक्टर अनूप कुमार व मिल के चिकित्सा प्रभारी अमित सक्सेना ने सीएचसी बिसवां के अधीक्षक डॉक्टर अमित कपूर व डॉक्टर चंद्रा को मशीन भेंट की। इस अवसर पर डॉक्टर कपूर ने कहा कि हम सभी लोग चीनी मिल के बड़े आभारी हैं जिन्होंने यह मशीन क्षेत्र के मरीजों के लिए दी हैं उन्होंने बताया आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों की जांच के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है यह मशीन ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचसी केदो पर लगाई जाएगी। जिससे मरीजों को जांच के लिए कहीं दूर दौड़ना नहीं पड़ेगा। इन मशीनों से टीवी की जांच तो होगी ही साथ ही अन्य जांचे भी संभव होगी ।

चीनी मिल छय रोग उन्मूलन में स्वयं भी 50 छय रोग मरीजों को गोद लेकर उनका इलाज व पौष्टिक आहार देने का कार्य विगत वर्षो से कर रही है। इस अवसर पर कंप्यूटर महाप्रबंधक रसूल अहमद सुरक्षा अधिकारी ओमप्रकाश पांडे व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

बिसवां में आधुनिक एयर कंडीशंड जिम का शुभारंभ

बिसवां। नगर में पहले एयर कंडीशंड एवं अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित जिम के शुरू होने से लोगों, विशेषकर युवाओं में फिटनेस को लेकर नया उत्साह देखने को मिल रहा है। सुबह के समय बड़ी संख्या में युवा एवं अन्य नागरिक नियमित रूप से जिम पहुंचकर व्यायाम और कसरत कर रहे हैं। जिम के संचालक विपिन वर्मा ने बताया कि स्वस्थ जीवन शैली के लिए नियमित व्यायाम बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट रहने के लिए जिम या किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। नियमित व्यायाम से शरीर स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक तनाव भी कम होता है और व्यक्ति पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करता है।

मदरसा अरबिया इस्लामिया में हज यात्रा से संबंधित समस्याओं एवं उनके समाधान विषयक विशेष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नरेश कुमार द्वारा आलमनगर स्थित मदरसा अरबिया इस्लामिया में हज यात्रा से संबंधित समस्याओं एवं उनके समाधान विषयक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश हज कमेटी के सदस्य सय्यद अली वारसी उपस्थित रहे। इस दौरान हज यात्रियों की ओर से यात्रा के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं एवं कठिनाइयों से संबंधित मांगों को उनके समक्ष रखा गया तथा एक ज्ञापन भी सौंपा गया। सय्यद अली वारसी ने यात्रियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए हज कमेटी स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे, जिससे भविष्य में यात्रियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नरेश कुमार ने अपने संबोधन में हाफिज इमरान अली के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे वर्षों से हज यात्रा पर जाने वाले लोगों की हर संभव सहायता करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाफिज इमरान अली का यह योगदान जनपद सीतापुर के लोगों के लिए अत्यंत सराहनीय है और उनके प्रयासों से अनेक यात्रियों को लाभ मिला है। कार्यक्रम में जिले के 12 मदरसों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षाविदों ने भी सहभागिता की। उपस्थित प्रमुख लोगों में समाज सेवी सद्दाम हुसैन मौलाना मोहम्मद फारुक प्रधानाचार्य हाफीज इमरान अली मौलाना मोहम्मद सिराज खान मोहम्मद अख्तर , मोहम्मद आजम सिद्दीकी (प्रधानाचार्य, तावक्कूल हुसैन हाफीज किस्मत अली शादाब अहमद शाहमीर आलम, नफीस अहमद, मोहम्मद मोइज अहमद कारी अब्दुल रहमान, मौलाना जुबेर अहमद मोहम्मद इरफान जमीर अहमद अरशद खान मोहम्मद सलमान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में हज यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया गया।

अघोषित बिजली कटौती और एसडीओ के फोन न उठाने पर भड़के भाजपा कार्यकर्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर)। मिश्रिख नगर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती तथा विद्युत विभाग के एसडीओ द्वारा फोन न उठाए जाने से नाराज भाजपा पदाधिकारियों, व्यापारियों और नगरवासियों ने गुरुवार को मिश्रिख पावर हाउस पहुंचकर प्रदर्शन किया और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन में भाजपा मंडल अध्यक्ष देवेश पांडेय, सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सोनी, कमलाकांत मिश्रा, व्यापारी कन्हैया गुप्ता सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता एवं नगरवासी शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में लगातार बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम जनता, व्यापारी और किसान भारी परेशान हैं। उनका यह भी आरोप है कि मिश्रिख के जेई और एसडीओ अवैध वसूली में संलिप्त हैं तथा शिकायतों के बावजूद समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं। साथ ही, एसडीओ द्वारा लोगों के फोन तक नहीं उठाए जाते। सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सोनी ने कहा कि वह इस पूरे मामले को सांसद के संज्ञान में लाएंगे तथा विद्युत विभाग के प्रबंध निदेशक (एमडी) को पत्र लिखकर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जांच एवं कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से तत्काल बिजली व्यवस्था में सुधार करने, अघोषित कटौती बंद कराने तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जनहित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।वही मौके पर मिले जेई ने बताया कि लाइन फाल्ट,ओवर लोड की समस्या को लेकर कटौती होती है।समस्या का समाधान जल्द कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

ट्रांसपोर्ट बार में अधिवक्ताओं को लैपल पिन पहनाकर बढ़ाया उत्साह

देवरिया। ट्रांसपोर्ट बार परिसर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में अधिवक्ताओं को लैपल पिन पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं की न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने, संविधान की मर्यादा बनाए रखने तथा समाज में विधिक जागरूकता फैलाने में उनकी भूमिका की सराहना की गई। मुख्य अतिथि एडवोकेट संतोष तिवारी ने कहा कि अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल के पक्षकार नहीं होते, बल्कि संविधान, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी भी हैं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं का सम्मान उनके ज्ञान, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण का सम्मान है। ऐसे आयोजन अधिवक्ता समुदाय का मनोबल बढ़ाने के साथ आपसी सौहार्द और एकजुटता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में मौजूद अधिवक्ताओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे अधिवक्ता समाज के सम्मान और एकता का प्रतीक बताया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

त्योहारों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण पर एसपी अपर्णा रजत कौशिक सख्त

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बुधवार को पुलिस लाइन स्थित मां विंध्यवासिनी सभागार में जनपद के पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध एवं कानून-व्यवस्था समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा, भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा और गुरु पूर्णिमा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर लगातार फुट पेट्रोलिंग तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए। बैठक में जनसुनवाई, आईजीआरएस, लंबित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण, साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई, वांछित एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी, मादक पदार्थों, अवैध शराब, गो-तस्करी, भू-माफिया, खनन माफिया और अन्य संगठित अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, आत्मरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए स्कूल-कॉलेजों और गांवों में जनजागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश भी दिए।

उपभोक्ता आयोग के आदेश पर परिवादी को मिले 84,422 रुपये

भदोही। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, भदोही के आदेश के अनुपालन में परिवादी विवेक गुप्ता को 84,422 रुपये का चेक प्रदान किया गया। आयोग द्वारा आदेश का समय पर पालन न करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई के बाद विपक्षी फाइनेंस कंपनी ने आयोग में धनराशि जमा कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवेक गुप्ता पुत्र बब्बू गुप्ता, निवासी बड़ा डीह, ज्ञानपुर, जनपद भदोही ने वाद संख्या 23/2024 दिनांक 29 फरवरी 2024 को प्रबंधक टीवीएस शुक्ला मोटर्स प्रा. लि., एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड तथा टाटा एआईजी के विरुद्ध परिवाद दायर किया था। मामले की सुनवाई के उपरांत आयोग के अध्यक्ष श्री संजय कुमार डे एवं महिला सदस्य श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने दिनांक 26 फरवरी 2026 को निर्णय सुनाया। आयोग ने एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड (विपक्षी संख्या-2) के विरुद्ध परिवाद आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए परिवादी को 32,077 रुपये का भुगतान, उक्त राशि पर 1 फरवरी 2024 से निर्णय की तिथि तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज तथा 10,000 रुपये वाद व्यय देने का आदेश दिया। साथ ही निर्देश दिया कि यदि दो माह के भीतर आदेश का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो संपूर्ण देय धनराशि पर 12 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी देय होगा। वहीं, टीवीएस शुक्ला मोटर्स प्रा. लि. एवं टाटा एआईजी के विरुद्ध परिवाद निरस्त कर दिया गया।

डंडा लेकर तहसील पहुंची महिला, मचा हंगामा

» चार माह से पैमाइश न होने पर फूटा गुस्सा, एसडीएम ने गठित की टीम; शुक्रवार को होगी मौके पर पैमाइश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के ढाडी जोत गांव की निवासी पुष्पा देवी गुरुवार को हाथ में मोटा डंडा लेकर खजनी तहसील पहुंच गईं और राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) को तलाशते हुए जमकर हंगामा किया। महिला का आरोप था कि सरकारी चकनाली की पैमाइश के लिए चार महीने से अधिकारियों के चक्कर काटने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे से तहसील परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में एसडीएम आनंद कुमार कटारिया के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ।

सरकारी चकनाली पर कब्जे का आरोप

पुष्पा देवी का कहना है कि उनके घर के सामने स्थित सरकारी चकनाली पर एक सेवानिवृत्त लेखपाल ने अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे उनके घर का रास्ता भी प्रभावित हो गया है। उन्होंने बताया कि 4 अप्रैल से वह राजस्व विभाग से पैमाइश कराने की मांग कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पैमाइश कराने के नाम पर उनसे रुपये लिए गए, फिर भी राजस्व निरीक्षक मौके पर नहीं पहुंचे।

कई अधिकारियों से लगाई गुहार, नहीं मिला समाधान

महिला के अनुसार, वह अपनी शिकायत लेकर मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, एसडीएम खजनी, थाना सिकरीगंज तथा समाधान दिवस में कई बार पहुंच चुकी हैं। लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने से उनका धैर्य जवाब दे गया और वह गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे डंडा लेकर तहसील पहुंच गईं। वहां उन्होंने कानूनगो को खोजते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कार्रवाई की मांग करने लगीं।

तहसील कर्मचारियों में मचा हड़कंप

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला के आक्रोश को देखकर तहसील कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। संबंधित राजस्व निरीक्षक को कर्मचारियों ने सभागार कक्ष में सुरक्षित बैठा दिया। महिला लगातार कानूनगो को बुलाने और तत्काल पैमाइश कराने की मांग करती रहीं। शोर-शराबा सुनकर तहसील परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई।

एसडीएम के निर्देश पर शुक्रवार को होगी पैमाइश

सूचना मिलने पर एसडीएम खजनी आनंद कुमार कटारिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला की शिकायत गंभीरता से सुनी और उन्हें शांत कराया। एसडीएम ने नायब तहसीलदार सिकरीगंज जाकिर हुसैन, दूसरे राजस्व निरीक्षक तथा संबंधित लेखपाल की संयुक्त टीम गठित कर शुक्रवार, 17 जुलाई को मौके पर पहुंचकर सरकारी चकनाली की पैमाइश कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में यदि अवैध कब्जा या किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनसेवा केन्द्र के माध्यम से ऑनलाईन होगा आवेदन

सरोजनीनगर। कृषि विभाग की कृषि यंत्रीकरण योजनाओं के तहत किसान 16 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक www.agriculture.up.gov.in पर कृषि यंत्रों की ऑनलाइन बुकिंग कर अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन किसान स्वयं या जनसेवा केंद्र के माध्यम से कर सकेंगे। उप कृषि निदेशक विनय कुमार कौशल ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन, फार्म मशीनरी बैंक तथा अन्य कृषि यंत्रों पर 40 से 80 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। लक्ष्य से अधिक आवेदन होने पर लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी से होगा। आवेदन के समय 2500 या 5000 रुपये की जमानत राशि ऑनलाइन जमा करनी होगी, जो चयन न होने पर वापस कर दी जाएगी। किसानों से अंतिम तिथि का इंतजार न कर समय से आवेदन करने की अपील की गई है। उक्त योजनाओं के अन्तर्गत जनपद में इच्छुक कृषकगण उपरोक्त यंत्रो की बुकिंग दिनांक 10 अगस्त 2026 को रात्रि 12 बजे से पूर्व ही ऑनलाइन कर सकते है।

शुभम सिन्हा ने एसएससी जेई परीक्षा में AIR-10 हासिल कर बढ़ाया देवरिया का मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के गोसाई मंदिर रामगुलाम टोला निवासी शुभम सिन्हा ने कर्मचारी चयन आयोग की जूनियर इंजीनियर (सिविल) परीक्षा-2025 में ऑल इंडिया रैंक 10 प्राप्त कर जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इस उपलब्धि के साथ उनका चयन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में जूनियर इंजीनियर (सिविल) के पद पर हुआ है। शुभम, अजय सिन्हा और रीता सिन्हा के पुत्र हैं। उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा प्रेस्टीज इंटरमीडिएट कॉलेज, देवरिया से तथा वर्ष 2022 में गलगोटियास कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखी। वर्ष 2024 की गेट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 1109 हासिल करने के बाद उनका चयन दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति में ट्रेनी इंजीनियर के पद पर हुआ। नौकरी के साथ तैयारी जारी रखते हुए उन्होंने एसएससी जेई-2025 में देशभर में 10वीं रैंक प्राप्त की।

शुभम ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरु जसपाल सर, डीपीसीसी के सहकर्मियों, वरिष्ठ अधिकारियों और मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और धैर्य सबसे जरूरी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री को भेजा शिकायती पत्र जीएनएम भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप

भर्ती प्रक्रिया पर उठे सवाल, मुख्यमंत्री को भेजा गया शिकायती पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद के मसकनवा स्थित साकेत ग्रामोद्योग प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मेडिकल कॉलेज में कराई जा रही जीएनएम भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। रघु बाबा समाज सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष रामसुरेश पासवान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र भेजकर भर्ती प्रक्रिया की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि जीएनएम भर्ती प्रक्रिया में सरकार की मंशा एवं निर्धारित मानकों के विपरीत कार्य किए जा रहे हैं। शिकायत के अनुसार, संस्था द्वारा कथित रूप से अभ्यर्थियों से सुविधा शुल्क लेकर भर्ती किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उक्त संस्था द्वारा पूर्व में मेडिकल कॉलेज की अन्य भर्तियों में भी इसी प्रकार की अनियमितताएं की गई थीं। पत्र में कहा गया है कि दलालों के माध्यम से अभ्यर्थियों से संपर्क कर धनराशि तय कर भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है तथा योग्य अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संस्था द्वारा जनपद स्तर पर कोई विधिवत कार्यालय स्थापित नहीं किया गया है तथा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार सेवायोजन कार्यालय के माध्यम से नहीं कराया जा रहा है, जो पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के विपरीत बताया गया है।

रघु बाबा समाज सेवा संस्थान ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि संस्था द्वारा पूर्व में की गई तथा वर्तमान में चल रही सभी भर्तियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही निविदा प्राप्त करने के लिए लगाए गए दस्तावेजों, भर्ती प्रक्रिया में प्राप्त शुल्क, जीएसटी जमा करने संबंधी अभिलेखों एवं अन्य वित्तीय लेनदेन की भी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। संस्था ने पूरे मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में शिकायत पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल, गोण्डा तथा जिलाधिकारी गोण्डा को भी भेजी गई है।

बिशुनापुर में गीता मेडिकल स्टोर एवं क्लिनिक का शुभारंभ

क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खरगुपुर, गोंडा। भारतीय स्टेट बैंक बिशुनापुर के समीप गीता मेडिकल स्टोर एवं क्लिनिक का शुभारंभ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगुपुर के चिकित्सक डॉ. उमेश वर्मा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता समय की आवश्यकता है। नए क्लिनिक के खुलने से क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगा।यह क्लिनिक छिटनापुर के ग्राम प्रधान सुखराम वर्मा के पुत्र डॉ. आशुतोष वर्मा (बीएएमएस) द्वारा स्थापित किया गया है। डॉ. आशुतोष वर्मा ने बेंगलुरु स्थित राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरजीयूएचएस) से बीएएमएस की शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य मरीजों को बेहतर, सुलभ एवं किफायती चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीणों को सामान्य उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों के चक्कर न लगाने पड़ें।उद्घाटन समारोह में ग्राम प्रधान सुखराम वर्मा, पिता पुत्तूलाल वर्मा, बेटा बिपिन वर्मा, अफसर अली (प्रधान), रामप्रीत यादव, रक्षाराम यादव, सिद्धनाथ तिवारी, सत्यप्रकाश मिश्रा, मोहम्मद नवमांग, रामसवारी (कोटेदार), रविंद्र गुप्ता, मोहम्मद असजद, शिवनाथ तिवारी, शत्रुघ्न तिवारी, दुर्गा प्रसाद, रामकरण तिवारी, मुलायम, कौशल्या यादव, पिंटू सिंह, पप्पू, बृजपाल, पंडित राम उजागर वर्मा, प्रदीप कुमार (सचिव), रामभवन वर्मा, शीस मोहम्मद, चमन, भूलन सहित दो दर्जन से अधिक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने डॉ. आशुतोष वर्मा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि गीता मेडिकल स्टोर एवं क्लिनिक क्षेत्र के लोगों के लिए एक भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीड़ित के खाते में 10000/- रु0 धनराशि को वापस कराया गया

भदोही जनपद में हो रहे साइबर अपराध की रोकथाम हेतु अभिनव त्यागी पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही व थानाध्यक्ष सुरियावां को किसी पीड़ित व्यक्ति के साथ हुए धोखाधड़ी या सोशल साइट के दुरुपयोग पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम में आवेदक अनुराग सिंह ग्राम महजूदा थाना सुरियावां जनपद भदोही के साथ 55000/- रुपये आवेदक के एपीके फाइल डाउनलोड कर लिया गया था जिसके कारण आवेदक के 55000/- रुपये कट गया था जिसमे से आवेदक का 10000/- रुपये वार्ता क्रम से वापस करा दिया गाय है आवेदक के द्वारा आनलाईन साईबर शिकायत किया गया था । साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही द्वारा उक्त प्रार्थना पत्र तथा NCRP पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पीड़ित आवेदक अनुराग सिंह ग्राम महजूदा थाना सुरियावां जनपद भदोही 10000/- रुपये की धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस कराया गया। पीड़ित के खाते से गयी धनराशि को वापस पाकर पुलिस अधीक्षक भदोही व साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां जनपद भदोही प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा की गयी।

बारानगर सरयू नहर कैनाल की पटरी धंसने से पक्का मार्ग कटा

तहसीलदार ने मौके का किया निरीक्षण, नहर विभाग ने जेसीबी लगाकर शुरू कराया मरम्मत कार्य.....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला तहसील मुख्यालय के बगल से गुजर रही बारानगर सरयू कैनाल की उत्तर पटरी पर बना पक्का मार्ग गुरुवार देर शाम अचानक धंस जाने से आवागमन बाधित हो गया। नहर की पटरी बैठ जाने के कारण सड़क का लगभग आठ फीट चौड़ा और करीब आठ फीट गहरा हिस्सा धंस गया। सूचना मिलते ही तहसीलदार सत्येंद्र मौर्य राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। कुछ ही देर बाद नहर विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई। ग्राम विवरण के अनुसार लगभग एक वर्ष पूर्व जनता की मांग पर विधायक निधि से नहर की उत्तर पटरी पर इस मार्ग का निर्माण कराया गया था। यह सड़क ग्राम सुअरज नहर पुल से गोला-कौड़ीराम मार्ग स्थित रानीपुर नहर पुल तक जाती है । इस मार्ग के बनने से क्षेत्र के लोगों को तहसील, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला, विकास खंड कार्यालय तथा अन्य सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने में काफी सुविधा हो गई थी। गुरुवार की देर शाम सुअरज नहर पुल से पश्चिम नहर सड़क मार्ग पर अचानक सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया, जिससे मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और आवागमन रोकना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नहर की समय पर सफाई नहीं होने और पटरी में बने रैट होल की मरम्मत न किए जाने के कारण पटरी कमजोर हो गई, जिससे सड़क धंस गई। घटना की जानकारी मिलते ही नहर विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए देर शाम जेसीबी मशीन लगाकर मार्ग को भरने और मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया, ताकि जल्द से जल्द आवागमन सामान्य किया जा सके।

आजमगढ़ में सरयू नदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने की बाढ़ से बचाव की तैयारी

आजमगढ़। सगड़ी तहसील के उत्तर में देवारा में बहने वाली सरयू नदी के बाढ़ से बचाव के लिए जिला प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महुला-गढ़वाल बांध पर स्थित 10 बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। बाढ़ के समय प्रभावित लोगों के लिए 14 आश्रय स्थल भी चिह्नित कर लिए गए हैं। उधर, बुधवार को गिरजा,शारदा व सरयू बैराज से 1,28,476 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से नदी के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, अभी जलस्तर मुख्य माप स्थल पर बदरहुआ नाला पर लाल निशान 71.68 मीटर से नीचे 69.80 मीटर पर दर्ज किया गया, लेकिन उल्दहवा व डिघिया नाला पर जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई। उल्दहवा माप स्थल पर न्यूनतम गेज 75.19 मीटर से ऊपर 75.40 मीटर और डिघिया नाला पर न्यूनतम गेज 68.90 मीटर से नीचे 68.60 मीटर पर जल स्तर रिकार्ड किया गया।

लापरवाही के वजह से भागा बाल अपचारी, बड़ी कार्रवाई

अभिरक्षा में तैनात दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित, पुलिस लाइन भेजे गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिला अस्पताल में बुधवार को रूटीन मेडिकल चेकअप के दौरान अभिरक्षा में लाया गया एक बाल अपचारी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. कोस्तुभ ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए अभिरक्षा में तैनात दरोगा सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। मामले के अनुसार, बाल अपचारी को बुधवार को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही का फायदा उठाकर वह मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और तत्काल उसकी तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गईं।

एसएसपी डॉ. कोस्तुभ ने पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए अभिरक्षा ड्यूटी में तैनात उपनिरीक्षक (दरोगा) संजय पांडेय, मुख्य आरक्षी रामधारी यादव, आरक्षी राजेश कुमार और प्रेम नारायण वर्मा को निलंबित कर दिया। साथ ही सभी को पुलिस लाइन में संबद्ध करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि फरार बाल अपचारी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और अस्पताल परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही फरार बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालय से चोरी हुआ टुल्लू पंप बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

सहजनवा पुलिस की कार्रवाई, चोरी का सामान बरामद कर बढ़ाई गई धाराएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवा थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया टुल्लू पंप बरामद किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मुकदमे में बरामदगी से संबंधित अतिरिक्त धारा भी बढ़ा दी है। पुलिस के अनुसार, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी गीडा के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष सहजनवा के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय थी। इसी दौरान थाना सहजनवा पर दर्ज मुकदमा संख्या 356/2026, धारा 303(2) बीएनएस से संबंधित अभियुक्त गणेश उर्फ अनिल निषाद पुत्र जगदीश निषाद, निवासी हड़ही उर्फ कोडरी, थाना सहजनवा, को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से चोरी का एक अदद टुल्लू पंप बरामद हुआ।

पूछताछ में सामने आया कि 13 जुलाई 2026 को प्राथमिक विद्यालय हड़ही, विकास खंड पाली से अज्ञात चोर द्वारा टुल्लू पंप चोरी कर लिया गया था। विद्यालय की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर सहजनवा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। बरामदगी के बाद पुलिस ने मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी भी कर दी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक अतुल कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल अनुराग सिंह, कांस्टेबल संदीप निषाद तथा रिजर्व कांस्टेबल सुधांशु दीक्षित शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आजमगढ़ में झोलाछाप डॉक्टर के ऑपरेशन से महिला की मौत

आजमगढ़। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के हरैया बाजार स्थित अवैध आर्य नंदिनी नर्सिंग होम में ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत के बाद बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। स्वजन ने झोलाछाप पर बिना अनुमति ऑपरेशन करने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए बलिया-लखनऊ मार्ग जाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों के समझाने पर करीब एक घंटे बाद यातायात बहाल हो सका। मृतका की पहचान मऊ जिले के घोसी क्षेत्र निवासी 52 वर्षीय श्यामदुलारी के रूप में हुई। बेटे जयहिंद चौहान ने बताया कि मां को पिछले कुछ दिनों से पेट में दर्द था, वह अपनी मां को लेकर मुबारकपुर स्थित अबाड़ी गांव अपने बुआ जंगवती के घर आया था। बुआ सोमवार को अवैध आर्य नंदिनी नर्सिंग होम में आरोपित झोलाछाप गुलाबचंद चौहान को अपने आप को दिखाने गई थी, बुआ ने झोलाछाप से मां के बीमारी के बारे में जिक्र कर दिया। आरोपित ने कहा कि मंगलवार को दिखा देना, दवा से सही हो जाएगा।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिला सुरक्षा का संकल्प

गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, सम्मान तथा अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को खजनी तहसील सभागार में 'नारी शक्ति बहू-बेटी सम्मेलन' के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी आनंद कुमार कटारिया ने की, जबकि संचालन एवं नेतृत्व थाना खजनी के अपराध निरीक्षक दीनानाथ सरोज ने किया। कार्यशाला का आयोजन गोरखपुर पुलिस एवं यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, पुलिस, बेसिक शिक्षा, पंचायतीराज, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार सहित विभिन्न विभागों के कुल 26 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे अपने-अपने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं, बहुओं और बेटियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा कानूनों, सरकारी योजनाओं तथा महिला हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यशाला में प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए श्रीमती स्वेता पांडेय (स्वास्थ्य विभाग), प्रभा शर्मा (न्यू कॉन्सेप्ट) तथा उपनिरीक्षक प्रिया राव (पुलिस विभाग) ने महिलाओं की सुरक्षा, लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह रोकथाम, साइबर अपराधों से बचाव तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

उपजिलाधिकारी आनंद कुमार कटारिया ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी महिला अपने अधिकारों से वंचित न रहे। अपराध निरीक्षक दीनानाथ सरोज ने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना भी उसकी जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं से निर्भीक होकर अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचाने और किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन सेवाओं का तत्काल उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, पंचायतीराज, महिला कल्याण विभाग, बाल विकास एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सम्मेलन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की मजबूत नींव तैयार कर महिलाओं को आत्मविश्वासी, सुरक्षित और अधिकारों के प्रति सजग बनाना रहा।

आजमगढ़ : पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो अन्य हुए घायल

आजमगढ़। तहबरपुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात दो कारों की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। सभी मऊ जिले के निवासी हैं और एक बीमार युवक को लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराकर वापस लौट रहे थे। मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के अल्लीपुर गांव निवासी 26 वर्षीय मनीष यादव, चक भदसा गांव निवासी 40 वर्षीय अजीत गोस्वामी, मानस गिरी और अवनीश गिरी बुधवार को अपने रिश्तेदार सौरभ गोस्वामी को इलाज के लिए लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराने गए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे सभी कार से घर लौट रहे थे।

अनियंत्रित होकर लहराने लगी कार

तहबरपुर थाना क्षेत्र के करियावर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर-219 पर उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर लहराने लगी। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार दूसरी कार ने उसमें टक्कर मार दी। हादसे में मनीष यादव और अजीत गोस्वामी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मानस गिरी और अवनीश गिरी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा और पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मनीष तीन भाइयों में सबसे छोटे थे, जबकि अजीत दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे थे। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्वांचल विकास निधि से गोरखपुर को 70.10 लाख रुपये की सौगात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पूर्वांचल विकास निधि (राज्यांश) से जनपद गोरखपुर की दो विकास परियोजनाओं के लिए 70.10 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर उसकी प्रति जिलाधिकारी गोरखपुर को भेज दी गई है, ताकि स्वीकृत परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध ढंग से शुरू कराया जा सके। शासनादेश के अनुसार, मंजूर की गई धनराशि से विकास खंड पाली के विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों में सीसी रोड (कंक्रीट सड़क) तथा पिच रोड का निर्माण कराया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना, आवागमन को सुगम बनाना तथा स्थानीय लोगों को आधारभूत सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल अनुमोदित परियोजनाओं पर ही किया जाएगा। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं तकनीकी विशिष्टियों के अनुरूप कराया जाएगा, ताकि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। साथ ही यह भी कहा गया है कि धनराशि का उपयोग किसी अन्य योजना या कार्य में नहीं किया जा सकता। शासनादेश में वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए कहा गया है कि यदि स्वीकृत राशि का उपयोग किसी अन्य परियोजना में किया जाता है, तो इसे वित्तीय अनियमितता माना जाएगा। ऐसी स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित जनपद के जिलाधिकारी की होगी। प्रदेश सरकार का मानना है कि पूर्वांचल विकास निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। गोरखपुर में स्वीकृत इन परियोजनाओं के पूरा होने से विकास खंड पाली के कई गांवों में आवागमन आसान होगा, ग्रामीणों को बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध होंगे तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का कहना है कि पूर्वांचल के समग्र विकास के लिए आधारभूत संरचना को मजबूत करना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से विभिन्न जिलों में सड़क निर्माण, संपर्क मार्गों के विस्तार और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए चरणबद्ध तरीके से धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिले।

डिजिटल न्याय व्यवस्था के साथ नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना भी जरूरी : एस.एस. उपाध्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रौशनी सोनकर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्वतंत्र प्रभात मीडिया से विशेष बातचीत में पूर्व जिला जज, राज्यपाल के पूर्व विधिक सलाहकार (एडवाइजर) तथा वर्तमान में विश्वविद्यालय के लोकपाल एस.एस. उपाध्याय ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डिजिटल कोर्ट, ई-फाइलिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकें नागरिकों, सरकार और न्यायपालिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनके माध्यम से न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए जनजागरूकता अभियान चलाकर आम लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना होगा। साइबर अपराधों की रोकथाम तभी प्रभावी होगी जब इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में संविधान और न्यायिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक सुधार की आवश्यकता है। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि इसके पीछे केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास, पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद और अनावश्यक मुकदमेबाजी भी प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि केवल नए कोर्ट, थाने और न्यायालय स्थापित कर देने से लंबित मुकदमों की समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए समाज में नैतिक मूल्यों, पारंपरिक सोच और आपसी संवाद की संस्कृति को पुनर्स्थापित करना होगा। उन्होंने त्वरित, सुलभ और तर्कसंगत न्याय के लिए पंचायत व्यवस्था की भावना को पुनर्जीवित करने पर भी बल दिया। युवाओं, अधिवक्ताओं और न्यायिक सेवाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम का गंभीर अध्ययन, नियमित अभ्यास और कानून की गहरी समझ आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की तैयारी करने का आह्वान किया। समापन में उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार, सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना और न्यायिक सुधारों के समन्वय से ही देश की न्याय व्यवस्था अधिक प्रभावी, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बन सकेगी।

बाबा साहब के अस्थि कलश, बोधिवृक्ष और बुद्ध प्रतिमा की श्रद्धापूर्वक पूजा-वंदना, संरक्षण की मांग तेज

अस्थि कलश बचाओ संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर अंबेडकर महासभा प्रांगण में जुटे सैकड़ों बुद्ध-अंबेडकर अनुयायी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 15 जुलाई डॉ. अंबेडकर अस्थि कलश बचाओ संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को विधानसभा के सामने स्थित अंबेडकर महासभा प्रांगण में स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अस्थि कलश, बोधिवृक्ष एवं बुद्ध प्रतिमा की सैकड़ों बुद्ध-अंबेडकर अनुयायियों ने श्रद्धापूर्वक पूजा-वंदना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अस्थि कलश, बोधिवृक्ष और बुद्ध प्रतिमा के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए उनके महत्व को रेखांकित किया। पूजा-वंदना कार्यक्रम में मोर्चा के संयोजक मंडल के सदस्य राम कुमार गौतम (पूर्व एसडीएम, लखनऊ), दया सागर बौद्ध, राम लगन सिंह यादव, भीमराज, जिला संयोजक वीर बहादुर बौद्ध, डॉ. लाल्ती देवी, पूर्व जज सत्यवीर सिंह यादव, पूर्व डीएफओ एम.पी. गौतम, पूर्व डायरेक्टर ट्रेजरी श्रीनाथ सिंह कुशवाहा, टी.एल. बौद्ध, समय सिंह बौद्ध, टी.पी. गौतम, रामपाल, गिरजा शंकर, आर.एल. बौद्ध, हरी लाल बौद्ध, डॉ. रामकुमार, राम सजीवन, रामनाथ कश्यप, राजाराम, शिव प्रसाद तथा अमर सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब से जुड़े स्मृति चिह्न करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और उनका संरक्षण समाज की साझा जिम्मेदारी है।

'मतदान सोच-समझकर करें, वरना स्थितियां यही रहेंगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह जी ने जनता से अपील की है कि 2027 विधानसभा चुनाव में मतदान करते समय जाति, धर्म, क्षेत्र और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर देश और समाज के हित में फैसला लें। उन्होंने कहा कि * 'जब आप बिना सोचे-समझे मतदान करेंगे तो स्थितियां यही होंगी।' सिंह ने मतदान के लिए 4 महत्वपूर्ण बिंदु बताए: 1. विदेशी ऋण और उसका उपयोग आजाद भारत में अब तक किस दल की सरकार थी? उसने कितना विदेशी ऋण लिया? क्यों लिया? उसका उपयोग कहां हुआ? आज उसका परिणाम क्या है? जनता को इसका हिसाब मांगना चाहिए। 2. आरक्षण और दलित-पिछड़ा उत्थान जाति-धर्म के नाम पर 'दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक' शब्द का प्रयोग होता है और बजट में करोड़ों की धनराशि आवंटित होती है आजादी से अब तक दलित-पिछड़ा उत्थान के लिए कितना धन आया और उसका क्या उपयोग हुआ? परिणाम क्या रहे? यदि परिणाम आए तो आरक्षण बढ़ता क्यों जा रहा है? दूरदर्शी राष्ट्रवादी डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की तत्कालीन सोच की तुलना आज के दलित-पिछड़ा की राजनीति करने वाले नेताओं से करें। स्थितियां शीशे की तरह साफ हो जाएंगी। 3. खेती, रोजगार और भ्रष्टाचार पुरातन कहावत थी 'उत्तम खेती, मध्यम बान, निषिद्ध चाकरी, भीख निदान'। आज क्या स्थिति है? रेलवे की सरकारी नौकरी के लिए किसानों की जमीन लिखवाने के आरोप राजनेताओं पर नहीं लग रहे क्या? 4. बढ़ती जनसंख्या, जातिवाद और भ्रष्टाचार जब देश आजाद हुआ था तो 1 डॉलर = 1 रुपया था। आज क्या स्थिति है? इसके 3 मुख्य कारण हैं (अ) बढ़ती जनसंख्या (ब) जातिवाद (स) भ्रष्टाचार। हम पूर्व सैनिकों ने राष्ट्र के लिए इन तीनों से संघर्ष करने का संकल्प लिया है। सिंह ने कहा कि विदेशी कर्ज लेने का अधिकार आपने अपने मत से नेताओं को दिया है। लेकिन भुगतान करने में नेताओं और उनके परिवारों की भागीदारी कितनी होगी? उन्हें तो इससे आजाद रखा गया है। 'गलती आपकी है जो आप अपने मत की कीमत नहीं पहचानते। आपकी पीढ़ियां गुलामी के लिए अभिशप्त होंगी। 'जिन नेताओं, उद्योगपतियों और भ्रष्ट अधिकारियों के पास अरबों की संपत्ति है, वे चार्टर्ड प्लेन से परिवार सहित विदेश घूमते हैं। 'क्या ये काले अंग्रेज नहीं हैं? क्या यह सत्य नहीं है?' भारतीय जन समाज पार्टी का संकल्प भ्रष्टाचार मुक्त, जातिवाद मुक्त और राष्ट्रवादी उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए ब्क्ष्ठस्क 2027 में प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

कर्मचारी महासंघ द्वारा डॉ. तूलिका चंद्रा को 'समाज गौरव सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की अध्यक्ष डॉ. तूलिका चंद्रा को समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए जवाहर भवन-इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ द्वारा 'समाज गौरव सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे एवं कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा ने डॉ. तूलिका चंद्रा को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. तूलिका चंद्र ने चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य किए हैं। उनके कार्यों से न केवल चिकित्सा जगत को नई दिशा मिली है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को भी लाभ पहुंचा है। सम्मान समारोह के दौरान महासंघ के मीडिया प्रभारी संजीव त्रिपाठी, मदन मिश्रा एवं सर्वेश मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और उपस्थित लोगों ने डॉ. तूलिका चंद्र को इस सम्मान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त खबरें

जनसुनवाई में सख्त दिखे मंत्री ए.के. शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक शिकायत का निस्तारण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान विद्युत बिल संशोधन, नए बिजली कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना, पेयजल आपूर्ति, सीवर, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण समेत नगर विकास और ऊर्जा विभाग से जुड़ी अनेक शिकायतें सामने आईं। मंत्री ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने और शिकायतकर्ताओं को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: दिनेश प्रताप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद मुख्यालय में विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना आवश्यक है। बैठक में मंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, राजस्व संग्रह, मंडियों के आधुनिकीकरण, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण एवं विकास परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, सड़क, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जाए, ताकि किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों से नियमित निरीक्षण और कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों के विपणन को अधिक पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए ई-नाम सहित डिजिटल सेवाओं का व्यापक विस्तार किया जाए। साथ ही कृषि उत्पादों के विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित की जाए, जिससे किसानों को देश और विदेश के बाजारों तक बेहतर पहुंच मिल सके। समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को आधुनिक विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए जा रहे एग्रीमॉल का उद्घाटन आगामी सितंबर माह तक हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना किसानों के लिए आधुनिक विपणन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को स्थानीय स्तर पर अपनी उपज बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मंत्री ने 'मंडी हाट पैड' योजना के अंतर्गत आवश्यक स्थलों का शीघ्र विकास एवं निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव या निकटवर्ती क्षेत्रों में ही सुरक्षित और सुविधाजनक बाजार उपलब्ध होने से किसानों की परिवहन लागत और समय दोनों की बचत होगी, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि होगी। दिनेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों से कहा कि मंडी परिषद द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जाए। इसके लिए विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि पात्र किसान योजनाओं का लाभ उठा सकें।

भारत-यूके व्यापार समझौते के बाद यूपी के चौसा आमों की पहली खेप ब्रिटेन रवाना होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू होने के बाद उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध चौसा आम पहली बार यूनाइटेड किंगडम के लिए निर्यात किए जाएंगे। इस अवसर पर 17 जुलाई को लखनऊ स्थित उद्यान निदेशालय से ताजे चौसा आमों की पहली निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

यह कार्यक्रम कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों तथा उत्तर प्रदेश उद्यान विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। फ्लैग ऑफ समारोह शुक्रवार को अपराह्न 3 बजे सप्रू मार्ग स्थित उद्यान निदेशालय परिसर में होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उद्यान निदेशक बी.पी. राम ने बताया कि 15 जुलाई, 2026 से प्रभावी हुए भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के लागू होने के बाद यह पहली निर्यात खेप है, जो उत्तर प्रदेश के बागवानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक व्यापार समझौते के तहत यूनाइटेड किंगडम ने भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात मूल्य का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकांश भारतीय उत्पादों को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच उपलब्ध कराई है। इससे भारतीय कृषि, बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात को नई गति मिलेगी तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और मजबूत होगी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के चौसा आम अपनी गुणवत्ता, स्वाद और मिठास के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 को लेकर महापौर सुषमा खर्कवाल सख्त

लखनऊ। स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के दृष्टिगत महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम के अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में विभिन्न स्थानों पर रोड कटिंग, निर्माण सामग्री एवं मलवा पड़े होने तथा बरसात के दौरान जलभराव की समस्याओं के कारण नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद नगर निगम के अधिकारी नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण नहीं कर रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। महापौर ने निर्देशित किया है कि समस्त अपर नगर आयुक्त, जोनल अधिकारी, नगर अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, जोनल स्वास्थ्य अधिकारी तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अपने-अपने जोन एवं क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमणशील रहकर साफ-सफाई, रोड कटिंग, मलवा निस्तारण एवं जलभराव की स्थिति का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। अधिकारियों को समस्याओं की पहचान कर उनका तत्काल निस्तारण कराना होगा।

Notice

I Rajendra Kumar Gupta husband of Khushboo Gupta , Father of Shubhi Gupta and R/O, Rajaji puram ,Lucknow . In my daughter's admit card and class X marksheet my wife's name is wrongly mentioned as Kushboo Gupta but the correct name of my wife is Khushboo Gupta therefore, I declare that from now onwards my wife's name will be written as Khushboo Gupta for all official and future purposes.

100वें जन्मदिन पर सम्मानित हुई शतायु नागरिक प्रतिभा जोशी, महापौर ने घर पहुंचकर दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री के निर्देश पर किया गया सम्मान, कभी इंटरमीडिएट में उत्तर प्रदेश की टॉपर रह चुकी हैं प्रतिभा जोशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की गौरवशाली शतायु नागरिक श्रीमती प्रतिभा जोशी के 100वें जन्मदिवस पर गुरुवार को विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इंदिरा नगर स्थित उनके आवास पर पहुंचकर महापौर सुषमा खर्कवाल ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर, नगर आयुक्त गौरव कुमार तथा पर्वतीय महापरिषद के अध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी भी उपस्थित रहे। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शतायु नागरिक का सम्मान करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने श्रीमती प्रतिभा जोशी से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के अनुभवों को जाना और कहा कि उनका अनुशासित जीवन, सकारात्मक सोच तथा समाज के प्रति समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर महापौर ने बताया कि श्रीमती प्रतिभा जोशी अपने समय में इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्तर प्रदेश की टॉपर रही थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में, जब बेटियों की शिक्षा के लिए अनेक सामाजिक चुनौतियां थीं, तब प्रतिभा जोशी ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प से सफलता का नया इतिहास रचा। उनका जीवन विशेष रूप से छात्राओं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। महापौर ने कहा कि श्रीमती प्रतिभा जोशी ने अपने 100 वर्षों के जीवन में देश को स्वतंत्रता प्राप्त करते देखा और अब विकसित भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ते कदमों की भी साक्षी हैं। उनके अनुभव, जीवन मूल्य और सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के लिए अमूल्य धरोहर हैं। प्रतिभा जोशी ने भी इस अवसर पर अपने जीवन के अनुभव साझा किए और देश की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच को जीवन में सफलता का आधार बताया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि समाज के ऐसे वरिष्ठ और प्रेरणादायी नागरिकों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने ईश्वर से श्रीमती प्रतिभा जोशी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद समाज और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

नाबार्ड द्वारा ग्रामीण युवाओं के रोजगार हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा ग्रामीण युवाओं के रोजगार हेतु कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत दो एवं तीन व्हीलर इलेक्ट्रिक व्हीकल सर्विस टेक्निशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जे.पी. मॉडल पब्लिक कॉलेज पारा लखनऊ में किया गया कार्यक्रम का तकनीकी संचालन इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल सेंटर आफ एक्सीलेंस द्वारा किया जा रहा है । प्रदेश के 6 जनपदों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा इस कार्यक्रम के माध्यम से कुल 1020 प्रतिभागियों को उद्यमिता व्यवसाय प्रबंधन एवं रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करने का शुभारंभ लखनऊ से किया जा रहा है जिसमें प्रतिभागियों को इलेक्ट्रिक वाहनों की सर्विसिं,बैटरी प्रबंधन सुरक्षा मानको एवं आधुनिक ई.वी तकनीक का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा । प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत प्रतिभागियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने एवं उद्यमिता विकास के साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा । उत्तर प्रदेश नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की महाप्रबंधक डॉ0 नंदिनी घोष, सहायक महाप्रबंधक / जिला विकास प्रबंधक शिवानी कपूर तथा सहायक प्रबंधक सुमित गर्ग उपस्थित रहे । आईएसीई की ओर से मानस मोहन एवं शैलेश सिंह ने प्रशिक्षण की रूपरेखा मॉड्यूल प्रशिक्षण प्रक्रिया तथा एव सेक्टर में उपलब्ध रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों की जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की तथा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग से जुड़े इंडस्ट्री पार्टनर्स भी उपस्थित रहे। डॉ.नंदनी घोष ने प्रतिभागियों को पूरा लाभ उठाने अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा कौशल विकास को आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित किया, शिवानी कपूर एवं सुमित गर्ग ने भी युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए ईवी उद्योग में बढ़ती रोजगार संभावनाओं स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को भविष्य के लिए तैयार रहने का संदेश दिया ।

संपादकीय

सुनें तार्किक विरोध

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति-नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा-संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरुआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है। ऐसे में समस्या के समाधान के लिये एक भरोसेमंद समिति और चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर विचार करने के लिये एक तय समय-सीमा वाला रोडमैप, भरोसे की कमी को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। सही मायने में इस आंदोलन के मानवीय पक्ष पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यानी सरकार समझने की कोशिश करे कि इस आंदोलन के जन्म लेने के पीछे क्या भावनाएं काम कर रही थी। साथ ही सरकार को शांतिपूर्ण विरोध के मूलभूत लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान करना चाहिए। निश्चित रूप से बातचीत के लिये किया गया कोई ईमानदार प्रयास गतिरोध को दूर करने में सहायक साबित हो सकता है। साथ ही इस बात की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी है कि शासन की शिथिलता व उदासीनता की कीमत सोनम वांगचुक की सेहत को न चुकानी पड़े।

मेष -आज परिवार और घरेलू विषयों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन आपकी लगन और परिश्रम का उचित परिणाम भी प्राप्त होगा। नौकरी करने वालों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को किसी भी बड़े आर्थिक निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना लाभकारी रहेगा। पारिवारिक वातावरण सामान्य बना रहेगा।

वृषभ-आज आपकी अभिव्यक्ति क्षमता प्रभावशाली रहेगी, जिससे नए लोगों से परिचय और उपयोगी संबंध स्थापित हो सकते हैं। नौकरी में नए अवसर मिलने की संभावना है। यदि आपका कोई धन लंबे समय से अटका हुआ है तो उसके मिलने की उम्मीद बढ़ सकती है। भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी यात्रा की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और दिन संतुलित ढंग से बीतेगा।

मिथुन-आर्थिक मामलों में आज सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। आय के नए स्रोत विकसित होने की संभावना है। नौकरी में अतिरिक्त दायित्व या आय में वृद्धि से जुड़ी कोई अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।

कर्क-सूर्य का आपकी राशि में प्रवेश आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई शुरुआत या महत्वपूर्ण अवसर मिलने की संभावना है। व्यापार विस्तार की योजनाएं आगे बढ़ सकती हैं। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर महसूस होगा और उत्साह में वृद्धि होगी।

सिंह-आज का दिन भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से विचार करने का अवसर देगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य और संयम बनाए रखना आवश्यक रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए आर्थिक मामलों में सतर्कता रखें। दूर स्थानों से जुड़े कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग आपके आत्मविश्वास को मजबूत करेगा। मानसिक शांति बनाए रखने का प्रयास करें।

कन्या-आय में वृद्धि और सामाजिक सम्मान मिलने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। मित्रों के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सकता है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा और पारिवारिक संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला -कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपके सामने आ सकती हैं। अधिकारी आपके कार्य की सराहना कर सकते हैं, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में नए समझौते या नए कार्य मिलने की संभावना है। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दिनचर्या को व्यवस्थित रखने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी समय देना आवश्यक रहेगा।

वृश्चिक-आज भाग्य का अच्छा साथ मिल सकता है। शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और धार्मिक गतिविधियों से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की चर्चा हो सकती है। व्यापार में दूरस्थ क्षेत्रों से जुड़े कार्य लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं। परिवार के साथ यात्रा की संभावना भी बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य से बेहतर रहेगा।

धनु -आर्थिक मामलों में आज विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार का निवेश सोच-विचार करके करना उचित रहेगा। नौकरी में परिवर्तन के अवसर सामने आ सकते हैं। व्यापार में साझेदारी से लाभ मिलने की संभावना है। जीवनसाथी का सहयोग आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहायता करेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी परेशानियों को अनदेखा करने से बचें।

मकर-आज साझेदारी और वैवाहिक जीवन से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मजबूती आएगी। व्यापार में नए समझौते लाभदायक साबित हो सकते हैं। नौकरी में सामूहिक प्रयासों से अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। परिवार का सहयोग बना रहेगा।

सुशासन की सबसे बड़ी परीक्षा

भ्रष्टाचार पर चर्चा प्राय: किसी घोटाले, आरोप या राजनीतिक विवाद के समय तेज़ हो जाती है, किंतु सुशासन का वास्तविक मूल्यांकन उन क्षणों में नहीं होता जब समाचार सुर्खियाँ बनते हैं, बल्कि तब होता है जब सामान्य नागरिक बिना किसी भय, सिफारिश या अतिरिक्त बोझ के अपने अधिकार प्राप्त कर सके। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात से तय होती है कि उसकी संस्थाएँ नियमों से संचालित होती हैं या व्यक्तियों की इच्छा से। यही कारण है कि भ्रष्टाचार को केवल आर्थिक अपराध मानना पर्याप्त नहीं है। यह शासन व्यवस्था की गुणवत्ता, संस्थागत संस्कृति, सार्वजनिक नैतिकता और नागरिक विश्वास का भी प्रश्न है। आधुनिक समय में भ्रष्टाचार का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक जटिल हो चुका है। पहले इसे मुख्यत: रिश्वत, कमीशन या सरकारी धन के दुरुपयोग तक सीमित माना जाता था, जबकि आज इसके अनेक रूप दिखाई देते हैं। नीतिगत पक्षपात, नियामकीय प्रभाव, हितों का टकराव, अपारदर्शी राजनीतिक वित्तपोषण, सार्वजनिक खरीद में अनियमितता, डिजिटल मंचों पर डेटा का दुरुपयोग और प्रभावशाली समूहों द्वारा नीति निर्माण को प्रभावित करने के प्रयास भी इसी व्यापक परिघटना का हिस्सा हैं। इसलिए भ्रष्टाचार की चर्चा केवल आपराधिक कार्रवाई तक सीमित रखने के बजाय प्रशासनिक सुधार, संस्थागत जवाबदेही और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 2025 के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स ने एक बार फिर संकेत दिया कि विश्व के अधिकांश देशों में सार्वजनिक क्षेत्र की पारदर्शिता अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच सकी है। रिपोर्ट में वैश्विक औसत स्कोर में गिरावट तथा अनेक लोकतांत्रिक देशों में भी संस्थागत चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। यह निष्कर्ष स्पष्ट करता है कि केवल आर्थिक विकास भ्रष्टाचार को स्वत: समाप्त नहीं करता। यदि स्वतंत्र निगरानी संस्थाएँ, निष्पक्ष जांच व्यवस्था, प्रभावी न्यायिक प्रक्रिया और जवाबदेह प्रशासन समान गति से विकसित न हों, तो आर्थिक प्रगति भी सीमित प्रभाव छोड़ती है। डिजिटल शासन को भ्रष्टाचार कम करने का प्रभावी माध्यम माना गया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, ऑनलाइन भुगतान, ई-टेंडरिंग, डिजिटल रिकॉर्ड, भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण और सेवा वितरण की ऑनलाइन व्यवस्था ने अनेक स्तरों पर मानवीय हस्तक्षेप कम किया है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और कई प्रक्रियाएँ पहले की तुलना में सरल हुई हैं। किंतु यह मान लेना उचित नहीं होगा कि तकनीक स्वयं भ्रष्टाचार समाप्त कर देती है। यदि डिजिटल प्रणाली का ऑडिट, साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और स्वतंत्र निगरानी कमजोर रहे तो अनियमितताओं का स्वरूप केवल बदल जाता है, समाप्त नहीं होता। भ्रष्टाचार का सबसे गंभीर प्रभाव आर्थिक असमानता पर पड़ता है। जब संसाधनों का वितरण योग्यता के बजाय प्रभाव के आधार पर होने लगे, तब प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ती है। ईमानदार उद्यमियों का विश्वास घटता है, निवेश की गुणवत्ता प्रभावित होती है और नवाचार की गति धीमी हो जाती है। इसका प्रत्यक्ष असर रोजगार, उत्पादकता और कर संग्रह पर दिखाई देता है। अंतत: इसकी कीमत वही नागरिक चुकाता है जिसका शासन व्यवस्था में सबसे कम प्रभाव होता है। राजनीतिक वित्तपोषण का प्रश्न भी इस विमर्श का महत्वपूर्ण भाग है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव अत्यंत आवश्यक हैं, किंतु चुनावी प्रक्रिया जितनी महंगी होती जाएगी, उतनी ही पारदर्शिता की आवश्यकता भी बढ़ेगी। चुनावी चंदे, व्यय, प्रचार और वित्तीय स्रोतों के संबंध में स्पष्ट नियम, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समयबद्ध सार्वजनिक प्रकटीकरण लोकतांत्रिक विश्वास को मजबूत करते हैं। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वस्थ तभी मानी जाएगी जब वित्तीय पारदर्शिता सभी पक्षों पर समान रूप से लागू हो। समान रूप से महत्वपूर्ण विषय नियामकीय संस्थाओं की स्वतंत्रता है। जब किसी संस्था पर अत्यधिक राजनीतिक, आर्थिक या प्रशासनिक प्रभाव पड़ने लगे, तब उसका निर्णय सार्वजनिक हित के बजाय विशेष हितों की ओर झुक सकता है। इसलिए नियामक संस्थाओं की नियुक्ति प्रक्रिया, कार्यकाल, वित्तीय स्वायत्तता और जवाबदेही का संतुलित ढाँचा लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला माना जाना चाहिए। केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका निष्पक्ष क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में न्यायपालिका की दक्षता भी निर्णायक भूमिका निभाती है। यदि जांच वर्षों तक लंबित रहे, मुकदमे अनिश्चितकाल तक चलते रहें या दोषसिद्धि की प्रक्रिया अत्यधिक धीमी हो, तो कानून का निवारक प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। समयबद्ध जांच, आधुनिक फोरेंसिक क्षमता, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन और न्यायालयों में तकनीकी संसाधनों का विस्तार इस दिशा में आवश्यक सुधार हैं। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि समय पर होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए। लोकतंत्र में स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। खोजी पत्रकारिता, सूचना के अधिकार का प्रभावी उपयोग, सामाजिक लेखा परीक्षा और जनभागीदारी प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत करते हैं। साथ ही मीडिया की विश्वसनीयता भी तथ्यपरकता, स्रोतों की पुष्टि और संतुलित प्रस्तुति पर निर्भर करती है। सूचना की गति जितनी बढ़ी है, उतनी ही जिम्मेदारी सत्यापन की भी बढ़ी है। शिक्षा व्यवस्था में नैतिक प्रशासन और सार्वजनिक उत्तरदायित्व को अधिक महत्व दिए जाने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का भी प्रश्न है। यदि नई पीढ़ी यह मानने लगे कि नियमों का उल्लंघन सफलता का सामान्य साधन है, तो कोई भी कानूनी व्यवस्था पर्याप्त सिद्ध नहीं होगी। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों में ईमानदारी, सार्वजनिक संसाधनों के सम्मान और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित नागरिक शिक्षा को व्यवहारिक रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। व्हिसलब्लोअर संरक्षण भी सुधार का एक महत्वपूर्ण आयाम है। अनेक मामलों में अनियमितताओं की जानकारी सबसे पहले संस्थानों के भीतर कार्यरत लोगों को होती है, किंतु पर्याप्त सुरक्षा के अभाव में वे सामने आने से हिचकते हैं। प्रभावी कानूनी संरक्षण, गोपनीय शिकायत व्यवस्था और प्रतिशोध से सुरक्षा किसी भी पारदर्शी शासन प्रणाली के लिए अनिवार्य है। इससे संस्थागत सुधार भीतर से प्रारंभ होते हैं और अनियमितताओं का समय रहते पता लगाया जा सकता है। सार्वजनिक खरीद प्रणाली में खुली प्रतिस्पर्धा, डिजिटल निगरानी, स्वतंत्र ऑडिट और अनुबंधों का सार्वजनिक प्रकटीकरण भी भ्रष्टाचार नियंत्रण के प्रभावी साधन हैं। विश्व बैंक, ओईसीडी तथा संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अनेक अध्ययन यह संकेत देते हैं कि प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी खरीद व्यवस्था सार्वजनिक व्यय की गुणवत्ता बढ़ाती है तथा संसाधनों के दुरुपयोग की संभावना घटाती है। इसलिए सरकारी व्यय की प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रक्रिया नागरिकों के लिए अधिकाधिक पारदर्शी बनाई जानी चाहिए। यह भी समझना होगा कि भ्रष्टाचार का समाधान केवल कठोर दंड से संभव नहीं है। दंड आवश्यक है, किंतु उससे पहले ऐसी प्रशासनिक संरचना विकसित करनी होगी जिसमें विवेकाधीन शक्तियाँ सीमित हों, प्रक्रियाएँ सरल हों, सेवा वितरण समयबद्ध हो और निर्णयों का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहे। जितनी कम अनावश्यक जटिलता होगी, उतने ही कम अवसर अनियमितताओं के लिए बचेंगे। अंतत: किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाओं पर जनता का विश्वास होता है। यह विश्वास भाषणों या अभियानों से नहीं, बल्कि निष्पक्ष प्रशासन, पारदर्शी नीति निर्माण, समान कानून, प्रभावी निगरानी और समयबद्ध न्याय से निर्मित होता है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध वास्तविक सफलता तभी संभव है जब सरकार, न्यायपालिका, मीडिया, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। सुशासन कोई एक बार प्राप्त होने वाली उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर आत्मसमीक्षा, संस्थागत सुधार और सार्वजनिक उत्तरदायित्व की सतत प्रक्रिया है। यही प्रक्रिया लोकतंत्र टैक्स केवल चुनावों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उसे नागरिक विश्वास, समान अवसर और न्यायपूर्ण विकास की स्थायी आधारशिला में परिवर्तित करती है।

अवनीश कुमार गुप्ता

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

ब्रूस ली की फ़िल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की ज़रूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी

शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था।कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है।चीन के मशहूर बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख के ख़िलाफ़ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फ़ंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंज़ूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुज़ारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ़ मुड़ गए।

हरित ऊर्जा-पर्यावरण में हरा-भरा भविष्य

तेजी से हो रहा जलवायु परिवर्तन, पूरी धरती पर बढ़ता प्रदूषण और ऊर्जा का गहराता संकट, इंसान को प्राकृतिक संसाधनों के साथ बर्ताव के नये मॉडल पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। क्योंकि दुनिया के प्राकृतिक संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं। इसलिए भविष्य का आर्थिक विकास केवल उद्योगों के विस्तार तक ही सीमित नहीं बल्कि यह विकास पर्यावरण के अनुकूल भी होना जरूरी है। वास्तव में पर्यावरण विज्ञान और ग्रीन एनर्जी इसीलिए 2026-27 में भी महत्वपूर्ण कैरियर के रूप में मौजूद है और 2035-36 में भी इसकी यही स्थिति होगी। भारत ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य घोषित कर रखा है। इसलिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा दक्षता, कचरा प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हो रहा है। जाहिर है इन परियोजनाओं के व्यावहारिक आकार लेने के लिए लाखों प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होगी। इसलिए पर्यावरण विज्ञान और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में आज के साथ कल भी कैरियर का भविष्य चमकदार है।पर्यावरण विज्ञान एक बहुविषयक विषय है। इसमें जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, जलवायु विज्ञान, भू-विज्ञान और इंजीनियरिंग का समन्वय होता है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय समस्याओं को समझना और उनके वैज्ञानिक समाधान विकसित करना है। दूसरी ओर ग्रीन एनर्जी का संबंध ऐसे स्रोतों से है, जो प्रदूषण को कम करते हैं और प्रकृति पर न्यूनतम दुष्प्रभाव डालते हैं। इनमें प्रमुख हैं- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, बायो एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और स्मार्ट ग्रिड तकनीक।भारत तेजी से अक्षय ऊर्जा यानी रिन्यूएबल एनर्जी की ओर बढ़ रहा देश है।

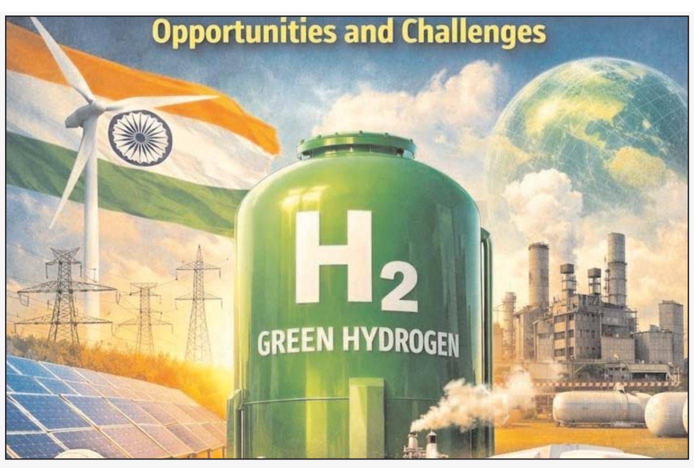

बड़े सोलर पार्क, ऑफशोर विंड प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्मार्ट शहरों जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र में रोजगार की नई से नई संभावनाएं पैदा कर दी हैं। साथ ही अब लगभग हर बड़ी कंपनी ईएसजी मानकों और सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग पर काम कर रही है। इससे पर्यावरण विशेषज्ञों, कार्बन विश्लेषकों और ऊर्जा प्रबंधन विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। इस क्षेत्र में विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन तीनों ही पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए अवसर हैं। इस क्षेत्र में मुख्य कैरियर विकल्प इस प्रकार से हैं- पर्यावरण वैज्ञानिक, पर्यावरण इंजीनियर, सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट, कार्बन फुटप्रिंट विश्लेषक, ईएसजी विशेषज्ञ, सौर ऊर्जा अभियंता, पवन ऊर्जा विशेषज्ञ, ग्रीन हाइड्रोजन इंजीनियर, ऊर्जा ऑडिटर जन संसाधन विशेषज्ञ, जलवायु परिवर्तन विश्लेषक, प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी, कचरा प्रबंधन विशेषज्ञ, वन एवं जैव विविधता विशेषज्ञ।12वीं के बाद- बीटेक एनर्जी इंजीनियरिंग, बीटेक एन्वार्यनमेंटल इंजीनियरिंग, बीएससी एन्वार्यनमेंटल साइंस, बीएससी फॉरेस्ट्री, बीएससी क्लाइमेट साइंस, बीटेक रिन्यूएबल एनर्जी। बीए के बाद- एमटेक रिन्यूएबल एनर्जी, एमएससी एन्वार्यनमेंटल साइंस, एमएससी क्लाइमेट चेंज, एमटेक एनर्जी सिस्टम, एमबीए इन सिस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट और पीएचडी इन एन्वायरनमेंटल साइंस। प्रमुख परीक्षाएं- जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड, सीयूईडी, जीएटीई, आईआईटी-जेएएम, सीएसआईआर-यूजीसी एनईटी और यूजीसी-एनईटी। आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मुंबई, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी रुड़की, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, देहरादून, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, दिल्ली, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (देशभर में 31 संस्थान)। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड्स, सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, एनर्जी इफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, नेशनल इंस्टीट्यूट

वास्तव में पर्यावरण विज्ञान और ग्रीन एनर्जी इसीलिए 2026-27 में भी महत्वपूर्ण कैरियर के रूप में मौजूद है और 2035-36 में भी इसकी यही स्थिति होगी। भारत ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य घोषित कर रखा है। इसलिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा दक्षता, कचरा प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हो रहा है। जाहिर है इन परियोजनाओं के व्यावहारिक आकार लेने के लिए लाखों प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होगी। इसलिए पर्यावरण विज्ञान और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में आज के साथ कल भी कैरियर का भविष्य चमकदार है।पर्यावरण विज्ञान एक बहुविषयक विषय है। इसमें जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, जलवायु विज्ञान, भू-विज्ञान और इंजीनियरिंग का समन्वय होता है। इसका उद्देश्य पर्यावरणीय समस्याओं को समझना और उनके वैज्ञानिक समाधान विकसित करना है। दूसरी ओर ग्रीन एनर्जी का संबंध ऐसे स्रोतों से है, जो प्रदूषण को कम करते हैं और प्रकृति पर न्यूनतम दुष्प्रभाव डालते हैं। इनमें प्रमुख हैं- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, बायो एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और स्मार्ट ग्रिड तकनीक।भारत तेजी से अक्षय ऊर्जा यानी रिन्यूएबल एनर्जी की ओर बढ़ रहा देश है। बड़े सोलर पार्क, ऑफशोर विंड प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्मार्ट शहरों जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र में रोजगार की नई से नई संभावनाएं पैदा कर दी हैं। साथ ही अब लगभग हर बड़ी कंपनी ईएसजी मानकों और सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग पर काम कर रही है। इससे पर्यावरण विशेषज्ञों, कार्बन विश्लेषकों और ऊर्जा प्रबंधन विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है।

ऑफ सोलर एनर्जी, नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन, ऑयल एंड नेचुरल गैस कार्पोरेशन और निजी क्षेत्र में टाटा पॉवर रिन्यूएबल एनर्जी, अडानी ग्रीन एनर्जी, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, वारी एनर्जीस, सुजलोन एनर्जी, विक्रम सोलर, थर्मेक्स, सीमेंस आदि। फ्रेशर को 4 से 8 लाख रुपये सालाना, तीन से पांच वर्ष के अनुभव वाले के लिए 8 से 15 लाख रुपये सालाना और इससे ज्यादा अनुभव रखने वाले को 15 से 30 लाख रुपये सालाना के पैकेज मिल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में इससे भी अच्छे वेतन की संभावनाएं रहती हैं। जहां तक इस क्षेत्र में जाने के लिए जरूरी कौशल की बात है तो केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है बल्कि आपको पर्यावरणीय कानूनों की भी समझ होनी चाहिये, जीआईएस एवं रिमोर्ट सेंसिंग की भी जानकारी हो। साथ ही कार्बन अकाउंटिंग और ईएसजी रिपोर्टिंग, ऊर्जा मॉडलिंग, डेटा विश्लेषण, ऑटो कैड तथा ऊर्जा सिमुलेशन, सॉफ्टवेयर, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन के साथ-साथ संचार और टीम वर्क का भी अनुभव होना चाहिए।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस की कार्रवाई

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शुकुल बाजार, अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान के तहत बाजार शुक्ल पुलिस को एक और सफलता मिली है। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के निर्देशन में थाना बाजार शुक्ल पुलिस ने अवैध असलहा रखने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने कंपोजिट शराब ठेका, महोना पश्चिम के पास से अभियुक्त रंजीत पुत्र हरिलाल, निवासी महोना पूरब, थाना बाजार शुकुल, जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर तथा दो जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किए गए।पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी है। अवैध हथियार रखने वालों और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

रंजिश में दंपति को पीटा, मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। बसंतपुर कठोइया गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पक्ष के विरुद्ध केस दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है। गांव निवासिनी रामकुमारी ने बताया कि गांव के ही आरोपी मनीष, गोविंद, छोटू, गोविंदे पुरानी रंजिश को लेकर मंगलवार की देर शाम को उसके घर आ धमके। आरोपी गाली गलौज कर रहे थे। पति छेदीलाल ने जब मना किया तो उन्होंने लाठी डंडे और कुल्हाड़ी से पति पर हमला कर दिया। इससे उसके पति के सिर पर गंभीर चोटे आ गई। जब वह बचाने पहुंची तो उसे भी आरोपियों ने मारा पीटा। बताया कि घटना के समय उसके परिवार के अन्य सदस्य खेतों में थे। प्रभारी निदेशक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

अवैध कब्जे से चकमार्ग बाधित, ग्रामीणों ने एसडीएम व पुलिस से लगाई गुहार

गाटा संख्या 318 व 331 से कब्जा हटवाने की मांग, दर्जनों ग्रामीणों ने सौंपा प्रार्थना पत्र

भरावन/अतरौली (हरदोई)। विकासखंड भरावन के ग्राम गोंडवा खेम, परगना गोंडवा, तहसील संडीला के ग्रामीणों ने सार्वजनिक चकमार्ग पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी संडीला एवं थाना प्रभारी अतरौली को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की गाटा संख्या 318, जो आबादी से सटा सार्वजनिक चकमार्ग है, पर कुछ लोगों द्वारा बिजली कनेक्शन के लिए खंभे लगवाने के दौरान 11000 वोल्ट की लाइन चकमार्ग के बीच से निकाल दी गई, जिससे रास्ता बाधित हो गया है।

इसके अलावा गाटा संख्या 331, जो तालाब तक जाने वाला परिक्रमा मार्ग है, उस पर भी अवैध कब्जा कर लिया गया है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी हो रही है। प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने मांग की है कि जनहित को देखते हुए गाटा संख्या 318 से खंभे हटवाकर चकमार्ग को सुचारु कराया जाए तथा गाटा संख्या 331 को कब्जामुक्त कराकर परिक्रमा मार्ग बहाल कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को विवश होंगे। इसके बाद जेई सूरज गुप्ता ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि खंभे चकरोड में गड़े हैं। लेखपाल के स्तर से आगे की कार्रवाई होगी। इसके बाद खंभे हटवाए जाएंगे।

दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, पति गंभीर घायल

पति की लाठी डंडों से मार-मार कर बुरी तरह किया घायल पीड़ित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव के दबंगों ने छोटे-छोटे बच्चों और महिलाओं की जमकर की पिटाई, पति की लाठी डंडों से मार-मार कर बुरी तरह किया घायल पीड़ित परिवार ने जब 112 नंबर पुलिस को बुलाई तो गांव के दमणगों ने पुलिस से भी किया अभद्रता वही पीड़ित के तहरीर पर दबंगों के खिलाफ कोतवाली में दर्ज हुआ मुकदमा आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार बस्ती पुलिस अधीक्षक से मिला और शिकायती पत्र दिया, अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती ने कहा आरोपियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई- बस्ती जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के सरायघाट की रहने वाली पीड़िता किरन अपनी बच्चियों के साथ लेकर पुलिस अधीक्षक बस्ती से शिकायती प्रार्थना पत्र देकर गांव के दबंग पर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे छोटे-छोटे बच्चे हैं मेरे घर में कोई कमाने वाला नहीं है मैं अपने बच्चों को कैसे जिलाऊं और खिलाऊ

-वही बेटी रंजनी ने बताया कि मेरे पिता को गांव के दबंगों ने जानलेवा हमला कर हत्या करने का प्रयास किया जिनका इलाज जिला अस्पताल बस्ती में चल रहा है पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर करवाई कर रही है लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है आरोपियों द्वारा बार-बार सुलह करने का हमारे ऊपर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं पीड़ित परिवार कि बेटी रंजनी ने बताया की गांव के धर्मेंद्र, संदीप, रंजीत, मंजीत पुत्रगण दीनानाथ के विरुद्ध पुरानी रंजिश को लेकर गली गुप्ता देने तथा लाठी डंडों वा ईट पत्थर से मारने पीटने का आरोप

लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया है। उनके द्वारा शोर मचाने पर गांव के कुछ लोग बीच बचाव के लिए दौड़े लेकिन आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने पर वह लोग चले गए घटना में उनके पति बुरी तरह जख्मी हो गए। पीड़िता द्वारा जब सहायता के लिए 112 नंबर पुलिस को बुलाया गया तो आरोपियों द्वारा पुलिस के साथ भी अभद्रता की गई। वही मामले में पूछे जाने पर अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बिजली नीतियों के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान पर बुधवार को जिलाध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों ने बिजली विभाग की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन भेजकर बिजली उपभोक्ताओं और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र निर्णय की मांग की गई। प्रदर्शन की शुरुआत राजकीय इंटर कॉलेज परिसर से मोटरसाइकिल जुलूस के साथ हुई। जुलूस गांधीनगर और झंडा तिराहा होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा, जहां प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की कार्यशैली और लगातार हो रही बिजली कटौती से आमजन और व्यापारी परेशान हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन केवल 6 से 7 घंटे ही बिजली आपूर्ति हो रही है, जिससे जनजीवन और कारोबार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग की वर्तमान नीतियों से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्ती मंडल अध्यक्ष डॉ. हरि मूर्ति सिंह 'मनोज' ने कहा कि संगठन लंबे समय से व्यापारियों और उपभोक्ताओं की समस्याओं को शासन तक पहुंचाता रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश के सभी 75 जिलों में आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन में 47 लाख उपभोक्ताओं पर बढ़ाया गया विद्युत लोड वापस लेने, बिजली मीटर की कीमत 700 रुपये से बढ़ाकर 5300 रुपये किए जाने का निर्णय निरस्त करने, बिजली बिलों पर लगाए गए 10 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज को समाप्त करने तथा सिक्योरिटी राशि की वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। प्रदर्शन में संगठन के पदाधिकारी, व्यापारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

रेलकोच में अंडरपास पर काम के दौरान 15 फीट से गिरा श्रमिक, गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) में बृहस्पतिवार को अंडरपास पर फैब्रिकेटेड शेड लगाने के दौरान एक श्रमिक ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद कार्यस्थल पर कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल हो गया। लखनऊ के निगोहा थाना क्षेत्र के गुरबख्शखेड़ा बरवलिया निवासी संतोष कुमार (32) अंडरपास में फैब्रिकेटेड शेड लगाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ने से वह करीब 15 फीट ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद साथी कर्मचारियों ने उसे तत्काल आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। श्रमिक का इलाज जारी है।

पुलिस मुख्यालय लखनऊ की टीम ने किया अत्याधुनिक केंद्रीय वाहन यार्ड का निरीक्षण

महाराजगंज/रायबरेली। पुलिस मुख्यालय लखनऊ की टीम ने महाराजगंज में हैदरगढ़ रोड स्थित अत्याधुनिक केंद्रीय वाहन यार्ड का निरीक्षण किया। इस यार्ड की बेहतरीन व्यवस्था को 'रायबरेली मॉडल' के रूप में चयनित किया गया है, जिसकी तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में ऐसे ही आधुनिक वाहन यार्ड विकसित किए जाएंगे। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह ने निरीक्षण के दौरान यार्ड की व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा वर्ष 2023 में लगभग 3 एकड़ जमीन पर बने इस यार्ड में जिले के थानों और न्यायालय द्वारा सीज किए गए सभी वाहनों को सुरक्षित रखा जाता है। वाहनों के रखरखाव और डेटा संधारण के लिए यार्ड में दो कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात हैं। एसपी ने कोतवाल जगदीश यादव को यार्ड की साप्ताहिक वीडियोग्राफी कराने, नियमित साफ-सफाई रखने और वाहनों को थानावार कतार में व्यवस्थित ढंग से खड़े करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यालय की टीम ने यार्ड की आधुनिक सुविधाओं और रिकॉर्ड कीपिंग की सराहना करते हुए इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है।

नदी संरक्षण व हाईवे जांच की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। हरैया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता एवं समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामाजी' ने शुक्रवार को मंडलायुक्त बस्ती को संबोधित ज्ञापन अपर आयुक्त को सौंपकर जनहित और पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मनोरमा, रामरेखा और कुआनो नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने, प्रदूषण रोकने, राष्ट्रीय राजमार्ग-27/28 के निर्माण में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच तथा मानकविहीन टोल प्लाजा के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि 5 फरवरी 2026 से लगातार संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए जाने के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। नदियों में गंदे नालों का पानी गिरने, अतिक्रमण और बाधित जल प्रवाह से पर्यावरण, जनस्वास्थ्य और धार्मिक आस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की कि तीनों नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं, बिना शोधन के गंदे पानी के प्रवाह पर रोक लगे, वैज्ञानिक कार्ययोजना के तहत जल प्रवाह सुनिश्चित किया जाए तथा कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

चन्द्रमणि पाण्डेय ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27/28 के निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर कार्रवाई और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पुनर्निर्माण की भी मांग की। उन्होंने कहा कि सड़क की गुणवत्ता को लेकर 30 अक्टूबर 2025 को भी शिकायत की गई थी, लेकिन समय पर कार्रवाई न होने से हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। उन्होंने क्षेत्र में मानकों के विपरीत संचालित टोल प्लाजा की निष्पक्ष जांच कर जनहित में आवश्यक कार्रवाई की भी मांग की। पाण्डेय ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था का विरोध नहीं, बल्कि जनहित, पर्यावरण संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित कराना है।

श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर बस्ती प्रशासन अलर्ट

डीएम कृतिका ज्योत्स्ना व एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में आगामी श्रावण मास, कांवड़ यात्रा -2026 और महाशिवरात्रि के अवसर पर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर बस्ती प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के साथ-साथ बाढ़ प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि श्रावण मास 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 28 अगस्त 2026 तक चलेगा, जबकि श्रावण शिवरात्रि का मुख्य पर्व 11 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी (अयोध्या) से पवित्र जल लेकर बाबा भदेश्वरनाथ धाम, बस्ती में जलाभिषेक करने पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों का तत्काल भौतिक सत्यापन करने, सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने तथा स्थानीय शांति समितियों के साथ बैठक कर बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जनपद के सभी प्रमुख शिव मंदिरों, मेला क्षेत्रों, कांवड़ मार्गों और प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल एवं अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। साथ ही सीसीटीवी निगरानी, भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि कांवड़ यात्रा पूरी तरह सुरक्षित एवं

व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध यात्रा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्व के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने, अफवाह फैलाने अथवा अव्यवस्था उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी हरैया, क्षेत्राधिकारी लाइन, संबंधित प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष एवं अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों से शासन द्वारा जारी दिशा- निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कांवड़ यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की अपील की गई।

गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. मोनिका सिंह की पुस्तक का सीआरसी प्रेस, लंदन से प्रकाशन

सतत कृषि पर वैश्विक शोध को मिलेगी नई दिशा, डॉ मोनिका सिंह अमेठी का नाम कर रही देश दुनिया में रोशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। देहरादून स्थित उत्तरांचल विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एप्लाइड एंड लाइफ साइंसेज़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं गोल्ड मेडलिस्ट वैज्ञानिक डॉ. मोनिका सिंह की पुस्तक का प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थान टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप (सीआरसी प्रेस), लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रकाशन किया गया है। यह उपलब्धि भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के साथ-साथ कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय मानी जा रही है। डॉ मोनिका सिंह का जन्म जनपद अमेठी विकासखंड शुकुल बाजार, ग्राम इन्दरिया के जमींदार परिवार में हुआ शुरू से ही मोनिका सिंह बेहद ही प्रतिभावान थी इनके पिता स्वर्गीय राजेंद्र प्रताप सिंह (कक्कन सिंह)का सपना था की बेटी बड़ी होकर पीएचडी करें और बेटी ने अपने पिता के सपनों को साकार किया।

डॉ. मोनिका सिंह वर्ष 2021 से उत्तरांचल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से जैव प्रौद्योगिकी विषय में पीएच.डी. की तथा कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा भी उत्तीर्ण की। उनके शोध का प्रमुख क्षेत्र पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, सूक्ष्मजीवी नैनोप्रौद्योगिकी, एंडोफाइटिक सूक्ष्मजीव तथा पादप-सूक्ष्मजीव अंतःक्रियाएँ हैं। उनके 50 से अधिक शोध-पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।उनकी प्रकाशित पुस्तक सतत कृषि उत्पादकता, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और भूख उन्मूलन में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका पर आधारित है। पुस्तक में पौध वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाले राइजोबैक्टीरिया , जैव उर्वरक, मृदा उर्वरता, पौध माइक्रोबायोम, प्रतिकूल परिस्थितियों में सूक्ष्मजीवों की भूमिका, सूक्ष्मजीवी जैव प्रौद्योगिकी, प्रिसिजन एग्रीकल्चर तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों का वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।यह पुस्तक शोधकर्ताओं, कृषि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और नीति-निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी तथा सतत कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। डॉ. मोनिका सिंह को वर्ष

2025 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा यंग वूमेन साइंटिस्ट अवार्ड, वर्ष 2019 में यंग साइंटिस्ट अवार्ड तथा वर्ष 2013 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की इंस्पायर फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मोनिका सिंह वर्तमान में विश्व की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध पत्रिका फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी की एसोसिएट एडिटर (सह- संपादक), अमेरिका की इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेजिटेबल साइंस की एसोसिएट एडिटर (सह- संपादक) तथा एशियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, चीन की सदस्य हैं। डॉ. मोनिका सिंह की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे भारतीय विज्ञान एवं कृषि अनुसंधान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 8.81 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवती से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र दिखाकर युवती का विश्वास जीता और करीब एक वर्ष तक उसे गुमराह करता रहा। पुलिस के अनुसार गोविंदबाग निवासी शालिनी वर्मा ने 10 जुलाई को कोतवाली नगर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि रेहरा बाजार थाना क्षेत्र के बनकटवा सराय खास निवासी मनोज कुमार चौहान ने राजस्व विभाग में अमीन के पद पर सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 8.81 लाख रुपये ठग लिए। आरोप है कि आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया और पैसे वापस मांगने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को आरोपी मनोज कुमार चौहान को गोविंदबाग स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज

दिया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पहले स्टाम्प एवं रजिस्ट्री कार्यालय में ऑपरेटर के रूप में कार्य करता था और पीड़िता के घर किराये पर रहता था। इसी दौरान उसे पता चला कि युवती सरकारी नौकरी की इच्छुक है। उसने स्वयं को पहले तहसील तुलसीपुर में कनिष्ठ सहायक तथा बाद में जिलाधिकारी कार्यालय में राजस्व विभाग में लेखाकार के पद पर तैनात बताकर फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार किया और उसी के आधार पर युवती से अलग-अलग तिथियों में लगभग आठ लाख रुपये ले लिए। नौकरी न लगने पर वह लगातार बहाने बनाकर युवती को टालता रहा। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमन कुमार वर्मा, हेड कांस्टेबल गोविंद यादव, कांस्टेबल हीरालाल यादव, कांस्टेबल अभिनयेश त्रिपाठी तथा महिला कांस्टेबल आकांक्षा गौतम शामिल रहीं।

सपा नेता प्रदीप ने बस स्टेशन परिसर में की धान रोपाई

शासन-प्रशासन को दिखाया आइना

रूद्रपुर, देवरिया। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व प्रत्याशी प्रदीप यादव ने अपने समर्थकों के साथ गुरुवार को रुद्रपुर के बहुचर्चित स्टेशन परिसर में धान की रोपाई की और शासन प्रशासन को आइना दिखाया। सर्वविदित है कि रुद्रपुर का बस स्टेशन जर्जर हालत में है। परिसर के अंदर थोड़ी सी बरसात होने पर भी तलाब जैसा दृश्य बन जाता है। सोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक चैनलों ने भी बस स्टेशन की दुर्दशा को अपने माध्यम से उठाया। बावजूद इसके रुद्रपुर के जन प्रतिनिधियों की नींद नहीं खुली और बस स्टेशन परिसर खस्ताहाल में विकास को मूंह चिढ़ा रहा है। जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर वादे तो बहुत किये। यहां तक कहा कि रुद्रपुर में हाईटेक बस स्टेशन बनेगा। किंतु अब तक ना तो एक खांची मिट्टी डाली गई और ना ही जीर्णोद्धार का कोई काम शुरू हो सका । सपा नेता प्रदीप यादव ने कहा कि रुद्रपुर बस स्टेशन का मुद्दा भारतीय जनता पार्टी की सरकार के ताबूत की अंतिम कील साबित होगा। इसी बस स्टेशन के मुद्दे पर रुद्रपुर से भाजपा के जनप्रतिनिधियों को करारी हार का सामना करना होगा क्योंकि अब जनता जान चुकी है कि यह लोग केवल कहने में विश्वास करते हैं करने में नहीं।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में डीएम सख्त, सी-डी ग्रेड विभागों को चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागीय प्रगति, विकास कार्यों और बजट व्यय की समीक्षा को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागवार रैंकिंग, योजनाओं की प्रगति, ऑनलाइन डेटा फीडिंग तथा बजट व्यय की स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर सी एवं डी ग्रेड प्राप्त विभागों के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए अगले माह तक रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग लंबित कार्यों का समयबद्ध निस्तारण करें और निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप तेजी से प्रगति सुनिश्चित करें। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित आंकड़ों की गुणवत्ता और समयबद्धता बेहद महत्वपूर्ण है। सभी विभाग अपने कार्यों से संबंधित सही एवं अद्यतन जानकारी समय से पोर्टल पर अपलोड करें। डेटा फीडिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में बजट व्यय की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विभागवार प्राप्त धनराशि

और उसके सापेक्ष किए गए खर्च का परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त बजट का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से किया जाए तथा वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण तक इंतजार करने के बजाय योजनाबद्ध ढंग से नियमित व्यय सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्यों की गति बनी रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को विकास कार्यों की नियमित निगरानी करने, योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान कराने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनहित के कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भक्ति और उत्साह के बीच निकली श्री जगन्नाथ रथयात्रा, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भदोही। इस्कॉन पकरीकला में गुरुवार को आयोजित श्री जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर रथ खींचा और पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन स्थल पर हरे कृष्ण के जयघोष, हरिनाम संकीर्तन और भजनों से भक्तिमय माहौल बना रहा। रथयात्रा में पूर्व विधायक रवींद्रनाथ त्रिपाठी के साथ ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय भी शामिल हुए। दोनों ने भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन-पूजन कर जनपद भदोही, प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं के साथ रथ खींचकर धार्मिक परंपरा में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में इस्कॉन के भक्तों ने संकीर्तन के साथ भगवान की महिमा का गुणगान किया। रथयात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया। आयोजन के समापन पर श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

संभावित बाढ़ को लेकर डीएम-एसपी ने तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद में संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु गुरूवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना एवं पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक कलेक्टेऱ्ट सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ से पूर्व तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए समन्वित प्रयास एवं सर्तकता आवश्यक है। उन्होने अधिशासी अभियन्ता बाढ़ दिनेश कुमार को निर्देशित किया कि तटबंधो की मरम्मत, कटान संभावित स्थलों की पहचान तथा आवश्यक सुरक्षा कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाय। साथ ही निचले एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हॉकन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सभी सीएचसी/पीएचसी को सक्रिय रखें, मेडिकल कैंप लगाने की व्यवस्था रखें तथा प्रत्येक बाढ़ चौकी पर स्वास्थ्य कर्मी तैनात

करें। इस दौरान सांप काटने पर लगने वाले इंजेक्शन तथा अन्य जीवन रक्षक दवाएं, क्लोरीन की गोलियां, ओआरएस घोल की समुचित व्यवस्था रखें। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि समय से भूसा एवं चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा बाढ़ के समय में लगने वाले पशुओं के टीका की आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। साथ ही अस्थायी गोशालाओं के लिए स्थल चिन्हित कर लें। उन्होंने आपूर्ति विभाग को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप बाढ़ राहत सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बाढ़ के समय विद्युत आपूर्ति रोकने तथा उसे चालू करने में सतर्कता बरतने का विशेष निर्देश दिया है। समीक्षा में उन्होंने पाया कि जनपद में 16 बाढ चौकी तथा कुल 17 तटबंध है, जिनके मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य बाढ़ खंड प्रथम द्वारा किया जाता है। अधिशासी अभियन्ता दिनेश कुमार ने बताया कि जनपद में स्थित सभी तटबंधों के लिए बाढ़ खण्ड के कर्मचारियों की तैनाती की गयी है। बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, उप जिलाधिकारी हर्रैया उमाकान्त तिवारी, जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला, पशुचिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, डीपीआरओ धनश्याम सागर, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी अवधेश कुमार, एआरटीओ धर्मेन्द्र कुमार, आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राज्यपाल की अध्यक्षता में (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह संपन्न

दीक्षांत समारोह में 81,882 विद्यार्थियों को उपाधियाँ, 236 मेधावियों को 242 पदक प्रदान किए गए ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में गुरूवार को प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नवम दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। समारोह में कुल 81,882 उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें 42,960 छात्राएँ तथा 38,922 छात्र सम्मिलित हैं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए 236 विद्यार्थियों को कुल 242 पदक प्रदान किए गए, जिसमें विभिन्न विषयों में उत्कृबैग6ष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 73 विधार्थियों को गोल्ड मेडल, 82 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल व 87 विद्यार्थियों को कांस्य मेडल प्रदान किया। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 158 छात्राएँ तथा 78 छात्र शामिल हैं। सभी उपाधियों को डिजीलॉकर पर उपलब्ध कराया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को डिग्रियों की हार्ड कॉपी प्राप्त करने के बजाय डिजिलॉकर के माध्यम से अपनी डिग्रियां ऑनलाइन डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाए। दीक्षांत समारोह के अवसर पर कुलाधिपति के द्वारा विश्वविद्यालय की तीन महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुविधाओं-अकादमिक भवन-सी, लर्निंग रिसोर्स सेंटर (प्रथम तल) एवं समेकित सुविधा भवन का लोकार्पण किया गया। इन भवनों से हजारों विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और शोध की सुविधा उपलब्ध होगी। कुलाधिपति जी के द्वारा समाजसेवी श्री खत्री अब्दुल सत्तार बापू को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मानद डी.लिट. उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने मानद उपाधि प्राप्तकर्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ मानवता की सेवा ही सच्ची उपाधि है। इस दौरान विश्वविद्यालय की वार्षिक स्मारिका एवं विभिन्न प्रतिवेदनों का लोकार्पण किया गया। अध्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 04 शिक्षकों, खेलकूद में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले 14 खिलाड़ियों तथा एचपीवी टीकाकरण अभियान में उल्लेखनीय सहयोग देने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत गोद लिए गए गांवों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए जन भवन की ओर से पुस्तकें भेंट स्वरूप प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के द्वारा पर्यावरण सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा हैं, विषय पर आधारित मनमोहक प्रस्तुती दी गयी। कार्यक्रम में राजकीय बालिका गृह की बालिकाओं द्वारा ''आरम्भ है, प्रचण्ड है'' गीत पर प्रस्तुती देकर सभी का मन मोह लिया। राज्यपाल ने टीका लगवाने वाली बेटियों से संवाद किया, उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और एचपीवी टीकाकरण के महत्व को अन्य लोगों तक भी पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीर्थराज प्रयागराज की पुण्यधरा, जहाँ ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का दिव्य संगम अनादि काल से मानवता का मार्ग आलोकित करता आया है, उस पावन भूमि पर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

पत्रकार से मोबाइल व नकदी छीनने का प्रयास, शोर मचाने पर बदमाश फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पत्रकार राहुल किसी खबर के सिलसिले में अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर गए थे। लौटते समय रास्ते में स्कूटी सवार दो युवकों ने उन्हें रोककर मोबाइल और पैसे छीनने का प्रयास किया। इस दौरान राहुल जायसवाल ने तत्काल शोर मचा दिया, जिससे आसपास हलचल होने लगी। खुद को घिरता देख दोनों बदमाश स्कूटी से मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना तत्काल नैनी थाना प्रभारी निरीक्षक को दी गई।

नैनी,प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर के पास बुधवार रात लगभग 10 बजे पत्रकार राहुल जायसवाल से मोबाइल और नकदी छीनने का प्रयास किया गया। हालांकि उनकी सतर्कता और साहस के चलते बदमाश अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, पत्रकार राहुल किसी खबर के सिलसिले में अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर गए थे। लौटते समय रास्ते में स्कूटी सवार दो युवकों ने उन्हें रोककर मोबाइल और पैसे छीनने का प्रयास किया। इस दौरान राहुल जायसवाल ने तत्काल शोर मचा दिया, जिससे आसपास हलचल होने लगी। खुद को घिरता देख दोनों बदमाश स्कूटी से मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना तत्काल नैनी थाना प्रभारी निरीक्षक को दी गई। सूचना मिलते ही नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की तलाश की, लेकिन तब तक दोनों आरोपी फरार हो चुके थे।पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता का माहौल है।

महर्षि महेश योगी आश्रम में भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राहुल संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी स्थित महर्षि महेश योगी आश्रम परिसर में भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। रथ यात्रा में मुख्य पुजारी सतपति वीरांचि ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। कार्यक्रम में आश्रम प्रभारी सुनील श्रीवास्तव, बसंत दास, मीडिया प्रभारी संजय श्रीवास्तव, ऋषि त्रिवेदी, राम मंगल गुप्ता, सियाराम, जितेंद्र दास सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।पूरे कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ जी के जयघोष के साथ रथ यात्रा में सहभागिता निभाई और आयोजन के सफल संपन्न होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भगवान जगन्नाथ जी से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

ललितपुर में दुष्कर्म का वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। चलती कार में युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित मुख्य आरोपी को कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने महज 24 घंटे के भीतर पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग किए जाने के बाद आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली ललितपुर में दर्ज मु.अ.सं. 776/2026 में बीएनएस की धारा 70(1) एवं 351(2) के तहत दर्ज दुष्कर्म के मामले में ग्राम बमरौली सुरेन्द्र सेन पुत्र राकेश सेन वांछित चल रहा था। घटना के संबंध में पीड़िता की तहरीर पर 15 जुलाई 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष पुलिस टीमें गठित की थीं। अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन एवं पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र के निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना पर हुई घेराबंदी, पुलिस पर की फायरिंग गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी चंदेरी की ओर जाने वाले मार्ग से गुजरने वाला है। सूचना पर कोतवाली पुलिस एवं स्वाट टीम ने राजघाट बांध की नहर की पटरी स्थित मैलार रोड चौराहे के पास वाहन चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक बलेनो कार पुलिस को देखकर वापस मुड़ने लगी। पुलिस को संदेह होने पर कार का पीछा किया गया। पुलिस के अनुसार, पीछा किए जाने पर कार से उतरकर एक युवक भागने लगा। पुलिस ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से देशी तमंचे से फायर कर दिया। जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

1.99 करोड़ की अवैध मादक पदार्थ की खेप नष्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में नारकोटिक्स टास्क फोर्स अपराध शाखा व गंगानगर-जोन के थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा कुल 398.8 कि0ग्रा0 अवैध मादक पदार्थ का विधिवत विनष्टीकरण (दहन) किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 99 लाख 40 हजार रुपये/- है । विदित हो कि पूर्व में थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के तस्करों पर कठोर प्रहार करते हुए भारी मात्रा में उक्त अवैध मादक पदार्थ की बरामदगी की गई थी तथा संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई थी । इस संबंध में थाना नवाबगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था । बरामद मादक पदार्थ को विधिक प्रक्रिया के तहत विधि विज्ञान प्रयोगशाला (स्नस्रु) परीक्षण हेतु भेजा गया था । प्राप्त परीक्षण परिणाम में बरामद माल के अवैध एन0डी0पी0एस0 पदार्थ (गांजा) होने की पूर्णतः पुष्टि हुई है । इस अभियोग में थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा गहन विवेचनात्मक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र प्रेषित किया जा चुका है । बरामदशुदा इस भारी मात्रा के अवैध मादक पदार्थ के समूल निस्तारण हेतु कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा-52A एनडीपीएस एक्ट की विधिक कार्यवाही पूर्ण करवाई गई । न्यायालय के आदेशों के अनुपालन के पश्चात, अग्रिम कार्यवाही के क्रम में श्रीमान पुलिस महानिदेशक , उत्तर प्रदेश एवं पुलिस महानिरीक्षक, एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स से विनष्टीकरण हेतु विधिवत अनुमति प्राप्त की गई । दहन (विनष्टीकरण) की इस वृहद कार्यवाही को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में नारकोटिक्स टास्क फोर्स (अपराध शाखा), कमिश्नरेट प्रयागराज की टीम का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार।

ब्यूरो प्रयागराज । हण्डिया पर मु0अ0सं0-340/2026 धारा-137(2)/87 भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शादाब पुत्र मुस्लिम शाह उर्फ गुन्नी निवासी ग्राम श्रीपुर थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस द्वारा आज थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम श्रीपुर के बाहर स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । पीड़िता के बयान एवं साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-65(1) भा0न्या0सं0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । उल्लेखनीय है कि उक्त गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा मुकदमा वादिनी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर अपने साथ भगा ले जाने के सम्बन्ध में दी गयी तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-340/26 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था।

पारिवारिक कलह के चलते युवक ने उठाया आत्मघाती कदम

तीन बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुरवा खास गांव में एक 32 वर्षीय युवक ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान अंकित मिश्रा (32), पुत्र लालचंद मिश्रा के रूप में हुई है। घटना गुरुवार तड़के की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा कमरे की सघन तलाशी ली गई, लेकिन मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शुरुआती पूछताछ में परिवार के सदस्य इस घटना का कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंकित मिश्रा अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह गांव में ही स्थित एक सरकारी राशन की दुकान पर काम करता था। करीब छह साल पहले उसका विवाह हुआ था और उसकी तीन छोटी बेटियां हैं। गुरुवार सुबह जब परिवार के सदस्य उसके कमरे में गए, तो वहां का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। घर में चीख-पुकार मचने के बाद आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।पुलिस के मुताबिक, प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि अंकित का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी कारण उसकी पत्नी पिछले करीब तीन महीनों से अपनी बहन के घर रह रही थी। पुलिस मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है।

डांडी में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर घायल

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के डांडी इलाके में सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की पत्नी ने थाना नैनी में तहरीर देकर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डांडी निवासी अजीत कुमार श्रीवास्तव 8 जुलाई 2026 की रात करीब 8 बजे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज गति और लापरवाही से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक बिना रुके और बिना घायल की सहायता किए मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में अजीत कुमार श्रीवास्तव को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए आशुतोष हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर, बालसन चौराहा, प्रयागराज में भर्ती कराया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना मदनपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), पॉक्सो एक्ट तथा एससी/एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस अधीक्षक मो. मुस्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मदनपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना मदनपुर में पंजीकृत मु0अ0सं0 40/2026 के तहत धारा 69, 351(2), 351(3) बीएनएस, धारा 5(जे)(द्वितीय)/6 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 3(2)(व्ही.) एससी/एसटी एक्ट में वांछित आरोपी गोविन्द घोषी पुत्र स्व.कृपाल सिंह, निवासी ग्राम बंगरिया, थाना पाली, जनपद ललितपुर (हाल निवासी ग्राम मदनपुर, थाना मदनपुर) को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को 16 जुलाई 2026 को दोपहर 1.50 बजे नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अध्यक्छ का नैनी में कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया का गुरुवार को नैनी मंडल के मेवालाल की बगिया स्थित ऐतिहासिक चौराहे पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व महानगर जिला अध्यक्ष नरसिंह ने किया। इस अवसर पर नैनी मंडल अध्यक्ष रजत दुबे भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं व्यापारी प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक घनश्याम जायसवाल, पार्षद राकेश जायसवाल, नैनी मंडल के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष एवं नामित पार्षद दिलीप केसरवानी, पार्षद अनूप भारतीय, जय कृष्ण तिवारी, मंडल महामंत्री ओम प्रकाश मिश्रा एवं दिनेश पटेल, मंडल उपाध्यक्ष श्याम मिश्रा, समर सिंह, युसूफ अंसारी, विनय सिंह, धर्मराज पटेल, बब्बू यादव सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

ललितपुर में 29वीं अंतर्जनपदीय पुलिस बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिता का भव्य समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रिजर्व पुलिस लाइन ललितपुर में आयोजित 29वीं अंतर्जनपदीय तीन दिवसीय पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सत्यप्रकाश रहे, जबकि अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक, चल वैजयंती शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजकों और प्रतिभागियों की सराहना की। समारोह की शुरुआत अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह द्वारा जिलाधिकारी सत्यप्रकाश का बैज लगाकर स्वागत एवं सम्मान करने से हुई। इसके बाद विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए गए। प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 जुलाई तक रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में किया गया, जिसमें कानपुर जोन के नौ जनपद–कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, औरैया, फतेहगढ़, इटावा, झांसी, जालौन और ललितपुर की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 75 पुरुष एवं 25 महिला खिलाड़ी शामिल हुए। खिलाड़ियों ने पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। बैडमिंटन की टीम स्पर्धा में कानपुर देहात की पुरुष एवं महिला दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर चल वैजयंती शील्ड अपने नाम की। व्यक्तिगत स्पर्धा में पुरुष वर्ग का खिताब इटावा के खिलाड़ी ने जीता, जबकि महिला वर्ग में कानपुर देहात की खिलाड़ी विजेता बनी। टेबल टेनिस की टीम स्पर्धा में पुरुष वर्ग में झांसी तथा महिला वर्ग में जालौन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में कानपुर देहात के खिलाड़ियों ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चयन समिति ने आगामी उत्तर प्रदेश पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026, जो जुलाई माह में मुरादाबाद में प्रस्तावित है, उसके लिए कानपुर जोन की टीम का चयन भी किया।

तीसरी बार किराना दुकान में पेट्रोल डालकर लगाई आग, सीसीटीवी में कैद हुआ नकाबपोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महरौनी थाना क्षेत्र के ग्राम खितवांस में एक किराना व्यापारी की दुकान को लगातार निशाना बनाए जाने का मामला सामने आया है। अज्ञात नकाबपोश बदमाश ने दो माह के भीतर तीसरी बार दुकान में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक व्यक्ति मुंह पर कपड़ा बांधकर दुकान पर पेट्रोल छिड़कने और आग लगाकर मौके से भागते हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक ललितपुर को शिकायती पत्र देकर आरोपी की गिरफ्तारी और अपनी सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम खितवांस निवासी मुकेश कुमार पुत्र रामस्वरूप कटारे गांव में ही किराना एवं परचून की दुकान संचालित करते हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि करीब दो माह पहले उनकी दुकान में पहली बार आग लगाई गई थी। उस समय उन्होंने इसे सामान्य दुर्घटना समझकर पुलिस से शिकायत नहीं की थी। इसके बाद 3 जुलाई 2026 की रात करीब 10:30 बजे दुकान बंद कर घर जाने के बाद रात लगभग 1 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने दुकान में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस बार पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पीड़ित ने इसकी शिकायत खितवांस पुलिस चौकी पर की, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस की निष्क्रियता के चलते आरोपी के हौसले और बढ़ गए। इसके बाद 15 जुलाई 2026 की तड़के सुबह करीब 4:44 बजे वही अज्ञात व्यक्ति फिर दुकान पर पहुंचा। उसने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था और दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग की लपटें उठती देख पास की दुकान में सो रहे एक ग्रामीण की नींद खुल गई। उसने तत्काल शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया, जिसके बाद सभी ने मिलकर पानी डालकर आग बुझाई। हालांकि तब तक दुकान में रखा काफी सामान जल चुका था और व्यापारी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ित का कहना है कि लगातार हो रही घटनाओं से उसका परिवार भयभीत है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास की अन्य दुकानों और मकानों तक भी आग फैल सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद ग्राम खितवांस सहित आसपास के व्यापारियों में भी भय का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भविष्य में और भी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं। पीड़ित मुकेश कुमार कटारे ने 16 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक ललितपुर को शिकायती पत्र देकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर तत्काल गिरफ्तारी, अपनी एवं परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आगजनी से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई कराने की मांग की है।

ओलावृष्टि से बर्बाद फसल का मुआवजा न मिलने पर किसानों का फूटा गुस्सा, डीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद के तहसील तालबेहट अंतर्गत ग्राम देवरान के किसानों ने रबी सीजन 2025-26 में ओलावृष्टि से बर्बाद हुई गेहूं की फसल का बीमा मुआवजा अब तक न मिलने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। किसानों ने जिलाधिकारी ललितपुर को शिकायती पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि फसल क्षति का सर्वे होने और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने के बावजूद बीमा कंपनी अब तक मुआवजा राशि का भुगतान नहीं कर रही है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आमरण अनशन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। किसानों ने बताया कि वर्ष 2025-26 के रबी सीजन में उन्होंने अपनी कृषि भूमि पर गेहूं की फसल बोई थी। फसल अच्छी स्थिति में थी, लेकिन अचानक हुई भीषण ओलावृष्टि ने पूरी फसल को बर्बाद कर दिया। प्राकृतिक आपदा के बाद तत्कालीन उपजिलाधिकारी (एसडीएम), बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव पहुंचकर फसल क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया था। जांच के दौरान खेतों में हुए भारी नुकसान की पुष्टि भी की गई थी और किसानों को जल्द बीमा दावा मिलने का आश्वासन दिया गया था। पीड़ित किसानों का कहना है कि उनकी फसल एआईसी के माध्यम से बीमित थी, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि प्राकृतिक आपदा के बाद समय पर बीमा राशि मिल जाएगी। लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी न तो बीमा कंपनी की ओर से भुगतान किया गया और न ही किसी प्रकार की स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। किसानों का आरोप है कि कंपनी जानबूझकर उनके दावों को लंबित रखकर टालमटोल कर रही है, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराते हुए बीमा कंपनी को तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है और लगातार नुकसान के कारण परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। शिकायती पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि जल्द ही बीमा राशि का भुगतान नहीं कराया गया तो ग्राम देवरान के किसान सामूहिक रूप से आमरण अनशन करने को विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित बीमा कंपनी की होगी।

संक्षिप्त खबरें

अपूर्ण और कागज़ों पर काम दिखा सरकारी धन की लूट के आरोप

लखीमपुर खीरी- जनपद के विकास खंड बेहजम की ग्राम पंचायत मूड़ा बुजुर्ग में कराए गए विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाये है। आरोप है कि स्ट्रीट लाइट, होम पाइप, सोक पिट निर्माण तथा नल रीबोर जैसे कार्यों में लाखों रुपये का घोटाला किया गया है। नल मरम्मत और रिबोर के नाम पर लाखों का बजट निकाला गया और कई नल आज भी बदहाली की दास्ताँ ब्यान कर रहे हैं!ग्रामीणों के मुताबिक कई कार्य या तो अधूरे हैं या फिर केवल कागजों में कार्य पूर्ण दिखाकर सरकारी धन का भुगतान करा लिया गया।उक्त आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है।

निघासन के प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे मील में कीड़े मिलने का आरोप, जांच की मांग

लखीमपुर खीरी। निघासन ब्लॉक की ग्राम पंचायत नौरंगाबाद के गांव फरदहिया स्थित प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे मील की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि बच्चों को परोसे गए भोजन में कीड़े मिले, जिसके बाद छात्रों ने इसके बारे घर बताया, जिसका वीडियो बनाकर परिजनों और स्थानीय लोगों को दिखाया।वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में नाराज़गी फैल गई। परिजनों का कहना है कि विद्यालय में मिड-डे मील की गुणवत्ता को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है, जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा विद्यालय के बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की मांग की है।

कोढ़ैय्या व कैमासुर के पास तेंदुआ दिखने की सूचना, ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग अलर्ट

लखीमपुर खीरी। थाना फरधान क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोढ़ैय्या एवं कैमासुर के आसपास तेंदुआ होने की आशंका से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र का निरीक्षण शुरू कर दिया। टीम द्वारा मिले पैरों के निशानों के फोटो लेकर उनका मिलान किया जा रहा है, ताकि वन्यजीव की मौजूदगी की पुष्टि की जा सके। ग्रामीणों के अनुसार, एक गन्ने के खेत के अंदर एक कुत्ता मृत अवस्था में मिला, जिसके शरीर के कुछ हिस्से खाए हुए थे। प्रारंभिक तौर पर ग्रामीण इसे किसी हिंसक वन्यजीव के हमले से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि वन विभाग द्वारा अभी नहीं की गई है। यदि यह घटना तेंदुए या किसी अन्य हिंसक वन्यजीव से जुड़ी पाई जाती है, तो क्षेत्र में लोगों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि जब तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न हो जाए, तब तक खेतों में अकेले न जाएं।

कोटेदार की दबंगई, राशन वितरण में बड़ा घोटाला

लखीमपुर खीरी- जहां योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति और गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना को पलीता लगाया जा रहा है। मामला ब्लॉक नकहा के ग्राम पंचायत पटना का है। यहां के कोटेदार कमलेश कुमार पर राशन वितरण में भारी धांधली और तानाशाही के गंभीर आरोप लगे हैं। 'ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि कोटेदार कमलेश कुमार ने उनसे तीन-तीन महीने के अंगूठे तो ई-पॉस मशीन पर लगवा लिए हैं, लेकिन राशन का एक दाना तक नसीब नहीं हुआ है। हद तो तब हो गई जब कोटेदार ने अपनी तय चौहद्दी (निर्धारित दुकान) की जगह, पड़ोस के गांव गुलरी पुरवा में प्रमोद गौतम के घर पर अवैध रूप से राशन बांटना शुरू कर दिया।' बड़ा सवाल यह है कि जब इस पूरे मामले की शिकायत सप्लाई इंस्पेक्टर से की गई, तो उन्होंने कार्रवाई करने के बजाय साफ कह दिया कि कोई कार्रवाई नहीं हो पाएगी, तुमको जो करना हो कर लो।

ईओ के खिलाफ सभासदों का धरना

पालिका कार्यालय में जड़ा ताला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सभासदों के धरना प्रदर्शन पर अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव का कहना है कि नगर पालिका का बजट अभी पास नहीं हुआ है, जिसके कारण विकास कार्य और समस्याओं का समाधान कार्य प्रभावित हो रहा है। सभासदों द्वारा असंयमित भाषा शैली सहित अन्य जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं वह सब झूठे और मनगढंत हैं। पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला डाल देने सहित मामले की पूरी सूचना उन्होंने एसडीएम को दे दी है।

पूरे मामले में एसडीएम हेमंत पटेल का कहना है कि अधिशासी अधिकारी ने दूरभाष द्वारा उन्हें कुछ सभासदों द्वारा धरना दिए जाने और पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला डालने से अवगत कराया था। उन्होंने स्थानीय पुलिस सहित प्रशासन के उच्च अधिकारियों को सूचना दे दी है।

कोंच(जालौन)- गुरुवार की दोपहर नगर पालिका परिषद कार्यालय में उस समय हंगामे के साथ माहौल गरम हो गया, जब कुछ सभासद और सभासद प्रतिनिधि अधिशासी अधिकारी (ईओ) पर नगर की समस्याओं के समाधान में लापरवाही बरतने/रुचि न दिखाने और असंयमित भाषा शैली का आरोप लगाते हुए पालिका कार्यालय के पोर्च में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। नाराज सभासदों ने अपना गुस्सा फोड़ते हुए अधिशासी अधिकारी के खिलाफ खूब नारेबाजी की। इसी दरम्यान किसी ने पालिका कार्यालय के मुख्य द्वार पर बाहर से ताला भी जड़ दिया जिससे पालिका कर्मियों से लेकर नागरिकों का कार्यालय में आना-जाना बंद हो गया। कुछ देर बाद जब ताला खुला तब कहीं जाकर आना-जाना शुरू हो सका। समाचार लिखे जाने तक सभासदों का धरना जारी था। अधिशासी अधिकारी द्वारा मामले की जानकारी फिलहाल प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई है। सूचना पर कोतवाली से पुलिस भी पालिका कार्यालय पहुंच गई थी। पूरे घटनाक्रम को लेकर बताया जा रहा है कि गुरुवार को गांधीनगर इलाके के सभासद महेंद्र कुशवाहा अपने वॉर्ड की कुछ समस्याओं को लेकर पालिका कार्यालय स्थित अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव के कक्ष में गए हुए थे। महेंद्र के अनुसार, अधिशासी अधिकारी ने उनके वार्ड की समस्याओं के समाधान को लेकर संतोषजनक बात तक नहीं की और उनकी भाषा शैली भी अच्छी नहीं रही। वहीं महेंद्र ने कक्ष से बाहर आते ही इसकी सूचना साथी सभासदों को दी जिसके बाद सभासद अमित यादव, मनोज मोर, रघुवीर कुशवाहा, आजादुद्दीन, शादाब अंसारी, सहित सभासद प्रतिनिधि लकी दुबे, गौरव तिवारी, शकील आदि भी कार्यालय पहुंच गए और फिर सभी पालिका कार्यालय के पोर्च में नीचे जमीन पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे सभासदों ने नगर में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों, उफनाते सीवर चैंबर, बारिश के चलते जगह-जगह जलभराव, खराब पड़े हैंडपंप, व्याप्त गंदगी, आम रास्तों के गड्ढों को न भरे जाने जैसी समस्याओं के निराकरण के नाम पर लापरवाही बरतने और निर्माण कार्यों में धांधली बरतने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए अधिशासी अधिकारी के खिलाफ खूब नारे लगाए।

उक्त सभासदों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है जिससे नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है और नागरिकों में गहरी नाराजगी बनी हुई है। सभासदों ने अधिशासी अधिकारी पर कई मर्तबा धमकाने के अंदाज में बात करने का भी आरोप लगाया है। सभासदों ने कहा कि कार्यवाही न होने तक उनका धरना अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगा।

गला रेतकर युवक की हत्या

परिवारजनों ने गांव के ही तीन लोगों पर लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाथीगांव में उसी गांव के निवासी कुछ लोगों ने एक व्यक्ति की गला रेत कर हत्या कर दी। घटना की सूचना पाते ही थाना पुलिस व पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि दिनांक 16.07.2026 को प्रातः लगभग 05:30 बजे थाना महाराजपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हाथी गांव निवासी हरिमोहन यादव का शव उनके खेत के बाहर स्थित ट्यूबवेल के पास पड़ा है। सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। प्रारंभिक निरीक्षण में मृतक के गले पर धारदार हथियार से वार किए जाने वाला गंभीर घाव प्रतीत होता है। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने बताया कि मृतक के परिजनों से वार्ता की गई है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर में ग्राम के ही निवासी मुलायम सिंह यादव, अर्जुन एवं श्याम पर हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की गई है। तहरीर के आधार पर थाना महाराजपुर में सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किए जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रकरण की सभी पहलुओं से गहन जांच की जा रही है। परिजनों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों से विस्तृत पूछताछ कर साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है। घटना के कारण एवं अन्य तथ्यों का शीघ्र ही स्पष्ट खुलासा किया जाएगा। मामले में विधिक प्रक्रिया के अनुसार अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

युवाओं की प्रतिभा को मिलेगा नया मंच

'माई भारत पोर्टल' पर अधिकतम पंजीकरण कराने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद- जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में माई भारत जिला सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद के युवाओं में छिपी रचनात्मक प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उचित मंच उपलब्ध कराना तथा उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप विकास सुनिश्चित करना रहा। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समन्वित कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य किया जाए। उन्होंने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों, इंटर कॉलेजों (सरकारी एवं निजी) तथा मेडिकल कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का 'माई भारत पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद फ़िरोज़ाबाद को देश के उन अग्रणी जिलों में शामिल करना लक्ष्य है, जहां सबसे अधिक युवा माई भारत पोर्टल पर पंजीकृत हों। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से युवाओं को सामाजिक गतिविधियों, कौशल विकास कार्यक्रमों, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका व्यक्तित्व विकास होगा और वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने जिला सलाहकार समिति के माध्यम से जनपद के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की। साथ ही निर्देश दिए कि युवाओं को प्रेरित करने के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा निजी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा, 'युवा शक्ति ही राष्ट्र की असली कुंजी है। यदि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा और अवसर प्रदान किए जाएं तो समाज और राष्ट्र की दिशा बदल सकती है।' बैठक में जिला युवा अधिकारी राम गोपाल सिंह चौहान ने जानकारी दी कि जनपद में यूथ क्लब डेवलपमेंट अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में यूथ क्लब विकसित किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और सपनों को साकार करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में जिला क्रीड़ा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिर पर रॉड मारकर की हत्या, एक गिरफ्तार

कानपुर। थाना बाबूपुरवा क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे कालोनी के समीप एक शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने पहुंचकर जब जांच की तो पता चला कि किसी ने सिर पर लोहे की राड मारकर हत्या की है। यह जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त साऊथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि दिनांक 16.07.2026 को प्रातः लगभग 10:00 बजे पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बाबूपुरवा क्षेत्र के टीपी नगर स्थित रेलवे कॉलोनी के समीप रेलवे यार्ड में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फोरेंसिक टीम द्वारा भी साक्ष्य संकलित किए गए। प्रारंभिक जांच में प्रकाश में आया है कि अरुण गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा साहिल के सिर पर लोहे की रॉड से प्रहार कर उसकी हत्या की गई। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। घटना के मुख्य अभियुक्त अरुण गुप्ता को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर हत्या की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है तथा समस्त साक्ष्यों के संकलन के उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अन्नपूर्णा मुहिम बनी बेसहारा परिवार का सहारा

जरूरतमंद परिवार को मिली दूसरी बार राहत सामग्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ जिले की नवाबगंज तहसील ब्लॉक भदपुरा के गांव बबूरा में रहने वाले एक जरूरतमंद परिवार के लिए संत रामपाल जी महाराज कि अन्नपूर्णा मुहिम उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। आर्थिक तंगी और पारिवारिक संकटों से जूझ रहे इस परिवार को दूसरी बार राशन एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। 13 वर्षीय संगीता कुमारी अपने भाई के साथ अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही हैं। कई वर्ष पूर्व पिताजी का निधन हो चुका है। 3 वर्ष पूर्व माताजी का भी निधन हो जाने के बाद घर की जिम्मेदारी संगीता कुमारी पर आ गई। संगीता कुमारी छोटा-मोटा कार्य करके परिवार का पालन पोषण करती हैं। कुल मासिक आय लगभग 800 के आसपास है। कोई भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। इसी दौरान संत रामपाल जी महाराज के मार्गदर्शन में संचालित अन्नपूर्णा मुहिम के तहत परिवार को पहली बार राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई थी। सहायता मिलने के बाद परिवार की स्थिति में कुछ सुधार हुआ समय पर भोजन आवश्यक वस्तुएं मिलने लगी। हाल ही में परिवार को दूसरी बार एवं सामग्री उपलब्ध करवाई गई राहत सामग्री में 15 किलो आटा 5 किलो चावल 2.5 किलो प्याज 2.5 किलो आलू 2 किलो चीनी विभिन्न प्रकार की दालें , काले चने, सूखा दूध, अचार, सरसों तेल, साबुन, नमक ,चाय पत्ती तथा मसाले शामिल हैं। संगीता कुमारी ने बताया पहली बार मिली राशन सामग्री से परिवार को काफी राहत मिली और अब दूसरी बार सहायता मिलने से स्थिति में सुधार आ जाएगा। अन्नपूर्णा मुहिम से जुड़े सेवादारों ने बताया जरूरतमंद परिवारों की पहचान के लिए के लिए विशेष सर्वे टीम कार्य करतीहै। पात्र परिवार को राशन कार्डनुमा सहायता कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। जिसके माध्यम से आवश्यकता पड़ने पर संपर्क कर सकते हैं। परिवार के स्वावलंबी होने तक नियमित सेवा उपलब्ध कराने का का प्रयास किया जाता है। स्थानीय लोगों और पड़ोसियों ने इस पहल की सराहना की। उनका कहना इस प्रकार की सहायता समाज के कमजोर वर्गों के लिए संबल का कार्य कर रही है। कई लोगों ने इसे मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने कि इस व्यवस्था की प्रशंसा की। गौरतलब है कि अन्नपूर्णा मुहिम के अंतर्गत जरूरतमंद और असहाय परिवार को निशुल्क खाद्य सामग्री, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है जिससे वे सम्मान पूर्वक जीवन यापन कर सके।

कानपुर कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई

13 साइबर अपराधी गिरफ्तार, 2 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त अश्लील वीडियो प्रकरण में फंसाने तथा पुलिस अधिकारी बनकर धमकाने के माध्यम से लोगों से धनराशि की ठगी करते थे। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर बज्र आप्रेशन के तहत कार्रवाई चल रही है इसी के तहत संचेडी गांव के चार गांवों में आप्रेशन चलाया गया है। कार्यवाही के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से 29 मोबाइल फोन, 3 कारें तथा अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। जांच में 48 IMEI एवं 68 मोबाइल नंबर सक्रिय पाए गए हैं। साथ ही NCRP पोर्टल पर दर्ज 189 साइबर शिकायतों में 60 शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नंबर इस गिरोह से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों के नागरिकों को इस गिरोह द्वारा ठगी का शिकार बनाया जाना प्रकाश में आया है। अब तक लगभग 2 करोड़ की साइबर ठगी का अनुमान है। अभियुक्त बैंक खातों एवं UPI के माध्यम से धनराशि प्राप्त करते थे। जांच के दौरान व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड एवं अन्य डिजिटल साक्ष्य भी बरामद हुए हैं। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि अभी इनके 20 साथी फरार हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि इनके खिलाफ गैंगेस्टर की कार्यवाही करते हुए इन्होंने इस क्राइम से धनराशि बनाकर जो प्रोपर्टी बनाई है उसको सीज करने की कार्यवाही की जाएगी।

ओवर स्पीड वाहनों पर बड़ी कार्यवाही, तीन मार्गों पर 340 वाहनों के चालान

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 08 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 03 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है =। आज दिनांक 16.07.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 59 ट्रक, 09 बस, 99 चार पहिया/ दो पहिया 167 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया।

सड़ामई विद्यालय व ग्राम पंचायत में कल्याणकारी योजनाओं का महाअभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। विकास खंड फिरोजाबाद के ग्राम सड़ामई स्थित संविलियन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 8) एवं ग्राम पंचायत परिसर में महिला कल्याण विभाग के जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन (DHEW) तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के संयुक्त तत्वावधान में विधिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, छात्र-छात्राओं एवं आमजन को केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा, विधिक अधिकारों तथा सामाजिक जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने 'रेड टेप मूवमेंट' के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संकल्प लिया। साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत शपथ दिलाई गई तथा जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए गए। महिला कल्याण विभाग की जिला मिशन कोऑर्डिनेटर अनम अकाशा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल नारों से नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव है। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ये योजनाएं बेटियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर निःशुल्क विधिक सहायता, पुलिस सहायता, चिकित्सीय सुविधा, अस्थायी आश्रय एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने महिलाओं से आवश्यकता पड़ने पर महिला हेल्पलाइन 181 का उपयोग करने की अपील की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के पैरा लीगल वॉलंटियर प्रवीण कुमार शर्मा ने निःशुल्क विधिक सहायता एवं आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी देते हुए कहा कि पात्र व्यक्तियों को बिना किसी शुल्क के कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने लोगों से दीवानी, आपराधिक, पारिवारिक एवं बैंक ऋण से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से लोक अदालत में निस्तारण कराने की अपील की। महिला कल्याण विभाग की डीएचईडब्ल्यू स्टाफ अकाउंट असिस्टेंट मोहिनी शर्मा ने महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) तथा 112 (पुलिस इमरजेंसी) पर किसी भी समय सहायता प्राप्त की जा सकती है तथा शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या सविता अग्रवाल ने शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 6 से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों की जनसुनवाई कर उनकी समस्याओं को दर्ज किया गया तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रविकांत शर्मा, सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर शिक्षा, सतीश, मुजफ्फर उल्ला खां, जितेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, मोहम्मद काशिफ, पूजा गुप्ता, मनीषा राठौर, सुरेन्द्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार, कु. श्रुति, राकेश देवी, अंजली, राधा रानी, इंद्रवती, मनोरमा, वेद प्रकाश अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मतदान केंद्रों और मतदेय स्थलों के सम्भाजन के उपरांत समीक्षा बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद- जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी निर्वाचन के दृष्टिगत मतदान केंद्रों और मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) के सम्भाजन के उपरांत मतदेय स्थलों को अंतिम रूप दिए जाने के सम्बन्ध में एवं प्राप्त आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण हेतु एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी उपजिलाधिकारी, निर्वाचन विभाग के अधिकारी और सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतदेय स्थलों का गठन और सम्भाजन बेहद संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मतदेय स्थलों या केंद्रों पर पूर्व में आपत्तियां प्राप्त हुई थीं या जिन्हें अधिकारियों द्वारा 'नॉट रिकमेंडेड' किया गया था, उन सभी मामलों को संबंधित उपजिलाधिकारी स्वयं मौके पर जाकर व्यक्तिगत रूप से देखेंगे। जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में हिदायत दी कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर त्रुटि स्वीकार्य नहीं की जाएगी। मतदान केंद्रों की दूरी या मतदाताओं की संख्या को लेकर कोई भी भ्रामक रिपोर्ट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली जांच आख्या शत-प्रतिशत सही और धरातलीय तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। बैठक में समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन भी बूथों या केंद्रों को लेकर राजनीतिक दलों अथवा जनप्रतिनिधियों की आपत्तियां या सुझाव प्राप्त हुए हैं, उन सभी का निस्तारण करते हुए कल (17 जुलाई) शाम 5 बजे तक अपनी विस्तृत और अंतिम आख्या अनिवार्य रूप से जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कराएं।

उन्होंने कहा कि 18 तारीख को इसका प्रकाशन किया जाना है, जिससे पूर्व सभी प्रकार की विसंगतियों को दूर कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार जहाँ भौगोलिक बाधाएं हैं, वहाँ नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की संख्या बढ़ने पर पोलिंग सेंटर और पोलिंग स्टेशन दोनों में वृद्धि होती है, जिसके कारण वाहन व्यवस्था, मजिस्ट्रेटों की तैनाती और सीआरपीएफ की सुरक्षा व्यवस्था जैसी तमाम व्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं। अतः सभी अधिकारी आयोग की गाइडलाइंस के दायरे में रहकर ही पूरी पारदर्शिता के साथ रिपोर्ट तैयार करें ताकि मतदाताओं को मतदान के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक के दौरान सांसद प्रतिनिधि डा0 विजय आर्य, जसराना विधायक प्रतिनिधि विपिन यादव, शिकोहाबाद विधायक प्रतिनिधि सुनील यादव सीटू, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट बसपा योगेन्द्र सिंह, महानगर अध्यक्ष सतीश दिवाकर, जिला उपाध्यक्ष भाजपा शैलेंद्र सिंह, टूंडला प्रेमपाल सिंह धनगर प्रतिनिधि लोकेश जादौन, जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ आप अमित गणेश, जिलाध्यक्ष महिला विंग आप पूनम, सीपीआईएम भूरी सिंह यादव एवं अपर जिलाधिकारी वि0रा0 कल्पना जयसवाल सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

पुलिस जैसी ड्यूटी, लेकिन सुविधाएं नहीं, होम गार्ड जवानों का छलका दर्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के सर्किट हाउस में गुरुवार की दोपहर एक बजे आयोजित मंडलीय होमगार्ड बैठक में जवानों की वर्षो पुरानी समस्याएं खुलकर सामने आई, जवानों ने डीजी होमगार्ड ध्रुव कांत ठाकुर के सामने भविष्य निधि, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित कई मांगों को उठाया, बैठक का उद्देश्य होमगार्डो की समस्याएंओ को सुनकर उनके समाधान की दिशा में कदम उठाना था,, बैठक के दौरान होमगार्ड जवानों ने बताया कि वे कानून व्यवस्था, चुनाव, वीआइपी डियुटी, त्योहारों,और आपदा जैसी परिस्थितियों में पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं,, इसके बावजूद उन्हें पुलिस जैसी सुविधाएं और लाभ नहीं मिलते, उन्होंने कहा कि समान जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उनके हितों की लंबे समय से अनदेखी हो रही है,, होमगार्डो ने सेवानिवृत्त के बाद आर्थिक सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ी चिंता जताई, उन्होंने डीजी होमगार्ड ध्रुव कुमार ठाकुर के सामने कहा कि पूरी सेवा इमानदारी से निभाने के बाद सेवानिवृत्त के समय उनके हाथ खाली रह जातें हैं,, गंभीर बीमारी की स्थिति में उन्हें निजी खर्चो से खर्च उठाना पड़ता है, जवानों ने मांग की स्वास्थ्य योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखकर प्रभावी तरीके से लागू कराया जाए,, बैठक में डीआईजी प्रमोद कुमार पाल, कानपुर मंडलीय कमांडेंट अनिल कुमार सिंह, प्रशिक्षण केन्द्र प्रभारी चंद्र मोहन मिश्र, सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कानपुर होमगार्ड कमांडेंट निधि शर्मा ने कहा कि सामने आई सभी समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है, समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

दरोगा भर्ती में आशुतोष तिवारी की चौथी रैंक

लखीमपुर खीरी- ब्राह्मण परिवार सेवा समिति के सक्रिय सदस्य श्री राकेश मोहन तिवारी निवासी ग्राम रमियाबहेड जी के बेटे आशुतोष तिवारी ने प्रदेश के चौथी रैंक के साथ सफलता हासिल की है आशुतोष तिवारी के पिता राकेश मोहन तिवारी और मां रेखा तिवारी शिक्षामित्र हैं बेटे के दरोगा भर्ती में सफलता मिलने पर शुभचिंतक रिश्तेदार और मित्रों ने बधाईयाँ दी, आशुतोष तिवारी के बाबा स्व. रामभक्त तिवारी भी बेसिक शिक्षा विभाग में अध्यापक थे !

भगवान जगन्नाथ मंदिर में पारंपरिक 'पहंडी' अनुष्ठान श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न

ओडिशा के पुरी में नौ दिनों तक चलने वाली वार्षिक रथ यात्रा की शुरुआत लागातार बारिश और लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में 'पहंडी' की रस्म के साथ हुई। 'पहंडी' की रस्म में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और उनकी बहन देवी सुभद्रा के विग्रहों को 12वीं सदी के पुरी मंदिर से रथों तक ले जाया जाता है। घंटियों, शंख और झांझ की ध्वनि के बीच, चक्रराज सुदर्शन को सबसे पहले मुख्य मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ पर विराजमान किया गया।पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि श्री सुदर्शन भगवान विष्णु का अस्त्र है, जिनकी पूजा पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में की जाती है। उन्होंने बताया कि भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई भगवान बलभद्र के विग्रह को भी उनके 'तालध्वज' रथ पर स्थापित किया गया।सेवादारों द्वारा 'शून्य पहंडी' शैली में भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा के विग्रह को उनके रथ तक ले लाया गया। अंत में महाप्रभु भगवान जगन्नाथ के विग्रह को मंदिर से बाहर लाया गया, तो 'बड़ा डंडा' पर भक्तों की भावनाएं उमड़ पड़ीं। उन्होंने अपने हाथ उठाकर और 'जय जगन्नाथ' का जयघोष कर महाप्रभु के रथ पर विराजमान होने का जश्न मनाया। 'पहंडी' अनुष्ठान में तीनों देव विग्रहों को एक औपचारिक जुलूस के साथ उनके संबंधित रथों तक लाया जाता है। ये रथ मंदिर के 'सिंह द्वार' के सामने खड़े किए जाते हैं, ताकि उन्हें श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया जा सके। इस 12वीं सदी के मंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर स्थित श्री गुंडिचा मंदिर को इन देवी-देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है। मंदिर प्रशासन के अनुसार रथ यात्रा के अनुष्ठान पूर्वाह्न नौ बजे शुरू हुए। अधिकारियों ने बताया कि 'बड़ा डंडा' से बारिश का पानी निकालने और रथों को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाने के लिए विशेष इंतज़ाम किए गए हैं, क्योंकि भक्त भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को मंदिर से श्री गुंडिचा मंदिर तक इसी रास्ते से खींचकर ले जाएंगे।मंदिर के एक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्ववर्ती पुरी रियासत के राजा गजपति महाराजा दिब्यसिंह देब द्वारा पारंपरिक 'छेरा पहरा' करने और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के आने के बाद, शाम चार बजे भक्त रथ खींचना शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि हर साल उड़िया महीने 'आषाढ़ शुक्ल तिथि' के दूसरे दिन आयोजित होने वाली रथ यात्रा ही वह एकमात्र मौका है, जब भाई-बहन के रूप में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के विग्रहों को 'रत्न सिंहासन'से उतारकर मंदिर से बाहर लाया जाता है। पुरी में हो रही भारी बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और वे 'बड़ा डंडा' पर नृत्य करते और रथ यात्रा का जश्न मनाते हुए देखे गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, पुरी में पिछले 48 घंटों में 233 मिमी बारिश हुई है और समुद्र के किनारे बसे इस शहर में दिन के दौरान हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया ने बताया कि पुरी में कई स्तरों पर सुरक्षा के इंतज़ाम किए गए हैं और इस उत्सव के लिए भारतीय पुलिस सेवा के 19 अधिकारियों और लगभग 13,000 अन्य पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, त्वरित कार्रवाई बल सहित केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 15 कंपनियों को रणनीतिक जगहों पर तैनात किया गया है।

पाकिस्तान में दो आतंकी हमले, तीन पुलिसकर्मियों की मौत, 34 घायल

पेशावर(एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को हुए दो अलग-अलग आतंकी हमलों में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में चार आतंकवादियों को मार गिराया और इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पहला हमला लोअर दिर जिले के हैदर क्षेत्र स्थित लादम टॉप के पास हुआ, जहां आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हथगोले फेंकने के बाद स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। हमलावरों ने पुलिस की दो गाड़ियों में भी आग लगा दी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरी घटना बन्नू जिले के मिरयान पुलिस थाने में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी के जरिए किए जाने वाले आत्मघाती हमले की साजिश को विफल कर दिया। सुरक्षा बलों ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही वाहन को नष्ट कर दिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए। इस हमले में 15 पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें 10 की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए पेशावर भेजा गया है। बन्नू जिले के पुलिस अधिकारी कैप्टन (सेवानिवृत्त) मुहम्मद फुरकान बिलाल ने दोनों घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रभावित क्षेत्रों की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और हमलावरों के नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

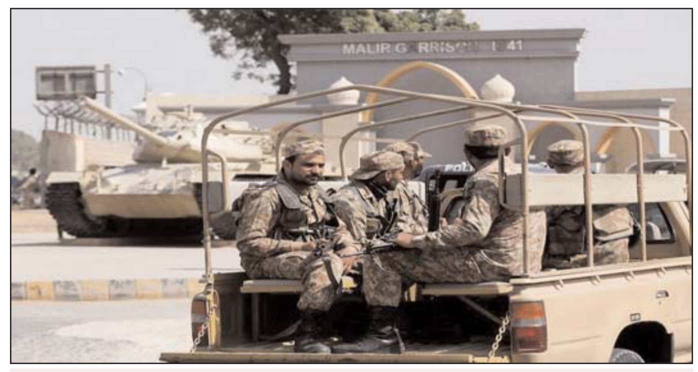

पहला हमला लोअर दिर जिले के हैदर क्षेत्र स्थित लादम टॉप के पास हुआ, जहां आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हथगोले फेंकने के बाद स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। हमलावरों ने पुलिस की दो गाड़ियों में भी आग लगा दी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरी घटना बन्नू जिले के मिरयान पुलिस थाने में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी के जरिए किए जाने वाले आत्मघाती हमले की साजिश को विफल कर दिया।

जेनेटिक्स से स्वस्थ भविष्य की राह, जयपुर में 'जीनवेदा' की नई पहल

जयपुर। आधुनिक विज्ञान को आम लोगों तक पहुंचाने और आनुवंशिक बीमारियों की समय रहते पहचान व रोकथाम के उद्देश्य से जयपुर में 'जीनवेदा' की स्थापना की गई है। संस्थापक डॉ. अदिति माथुर (पीएचडी, जेनेटिक्स) का उद्देश्य जेनेटिक परीक्षण और जेनेटिक काउंसेलिंग को सरल, सुलभ और विश्वसनीय बनाकर परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में मदद करना है। डॉ. अदिति माथुर ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो से मेडिकल जेनेटिक्स में एमएससी तथा यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन से जेनेटिक्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। विदेश में शोध और प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि जेनेटिक्स किस प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। इसी अनुभव के आधार पर उन्होंने राजस्थान लौटकर जीनवेदा की शुरुआत की। जीनवेदा में बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में देरी, बार-बार गर्भपात, बीटा-थैलेसीमिया, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी तथा कैंसर जैसी वंशानुगत बीमारियों से जुड़े मामलों में वैज्ञानिक जांच और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराया जाता है। यहां केवल जेनेटिक परीक्षण ही नहीं, बल्कि रिपोर्ट की विस्तृत व्याख्या और परिवारों को उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन भी दिया जाता है। डॉ. अदिति का कहना है कि आनुवंशिक बीमारियों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण कई लोग समय पर जांच नहीं करा पाते।

जबकि आधुनिक जेनेटिक परीक्षण के माध्यम से जोखिमों की पहचान कर भविष्य में होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह सुविधा परिवार नियोजन कर रहे दंपत्तियों, गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और अस्पष्ट बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जीनवेदा का लक्ष्य आधुनिक जीनोमिक मेडिसिन की सुविधाओं को महानगरों तक सीमित न रखकर राजस्थान के हर परिवार तक पहुंचाना है। संस्थान का मानना है कि सही जानकारी, समय पर जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को कई आनुवंशिक बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

फिश ऑयल से नहीं टला अल्जाइमर का खतरा, नए अध्ययन में बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन। दिमाग की सेहत और याददाश्त बेहतर रखने के लिए फिश ऑयल कैप्सूल लेने वालों के लिए एक नया अध्ययन चौंकाने वाला है। अमेरिका की केक मेडिसिन ऑफ यूएससी की रिसर्च में पाया गया है कि फिश ऑयल सप्लीमेंट अल्जाइमर रोग की रोकथाम में कोई खास लाभ नहीं पहुंचाते, हालांकि इनमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड डीएचए (DHA) दिमाग तक जरूर पहुंचता है। यह अध्ययन ईबायोमेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध में 55 से 80 वर्ष आयु वर्ग के 365 ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जो कम मछली खाते थे और अल्जाइमर के उच्च जोखिम वाले माने जाते थे। इनमें से लगभग आधे प्रतिभागियों में एपीओई4 (APOEy) जीन भी मौजूद था, जिसे इस बीमारी के बढ़े हुए खतरे से जोड़ा जाता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा। एक समूह को दो वर्षों तक उच्च मात्रा में डीएचए सप्लीमेंट दिया गया, जबकि दूसरे समूह को प्लेसीबो (निष्क्रिय गोली) दी गई। इस दौरान उनकी याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता और मस्तिष्क में होने वाले बदलावों का लगातार मूल्यांकन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि छह महीने बाद प्रतिभागियों के मस्तिष्क के आसपास मौजूद तरल पदार्थ में डीएचए का स्तर औसतन 17 प्रतिशत बढ़ गया। इसके बावजूद याददाश्त, संज्ञानात्मक क्षमता या मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस हिस्से में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्जाइमर जैसी जटिल बीमारी को केवल एक पोषक तत्व के सहारे रोकना संभव नहीं है। उम्र, आनुवंशिक कारण, खानपान, शारीरिक गतिविधि और जीवनशैली जैसे कई कारक मस्तिष्क के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि ओमेगा-3 फैटी एसिड का लाभ संतुलित आहार, विशेषकर मेडिटेरेनियन डाइट के माध्यम से अधिक प्रभावी हो सकता है। इसमें मछली, फल, सब्जियां, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा शामिल होते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अध्ययन केवल उन बुजुर्गों पर किया गया जो कम मछली खाते थे और अल्जाइमर के उच्च जोखिम में थे, इसलिए इसके निष्कर्ष सभी लोगों पर समान रूप से लागू नहीं किए जा सकते।

यह अध्ययन ईबायोमेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध में 55 से 80 वर्ष आयु वर्ग के 365 ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जो कम मछली खाते थे और अल्जाइमर के उच्च जोखिम वाले माने जाते थे। इनमें से लगभग आधे प्रतिभागियों में एपीओई4 (क्ष्ह्श्व4) जीन भी मौजूद था, जिसे इस बीमारी के बढ़े हुए खतरे से जोड़ा जाता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा। एक समूह को दो वर्षों तक उच्च मात्रा में डीएचए सप्लीमेंट दिया गया, जबकि दूसरे समूह को प्लेसीबो (निष्क्रिय गोली) दी गई। इस दौरान उनकी याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता और मस्तिष्क में होने वाले बदलावों का लगातार मूल्यांकन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि छह महीने बाद प्रतिभागियों के मस्तिष्क के आसपास मौजूद तरल पदार्थ में डीएचए का स्तर औसतन 17 प्रतिशत बढ़ गया।

मलिहाबाद के बिराहिमपुर में श्रीमद्भागवत कथा संपन्न, भव्य भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ)। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बिराहिमपुर में आयोजित नवदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का धार्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण के बीच संपन्न हो गया। कथा के समापन अवसर पर पूरे गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। नौ दिनों तक चली श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और कथा का श्रवण कर धर्म एवं अध्यात्म का संदेश ग्रहण किया। समापन के दिन आयोजित भंडारे में सभी ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान माता-बहनों ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने श्रद्धापूर्वक दान-दक्षिणा अर्पित की तथा भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे की सुंदर मिसाल देखने को मिली। भंडारे की व्यवस्था में ग्रामवासियों और आयोजकों ने मिलकर सेवाभाव से कार्य किया, जिससे सभी श्रद्धालुओं को सुचारु रूप से प्रसाद वितरित किया जा सका। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के साथ कथा के सफल समापन पर प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी श्रद्धालुओं के सुख, समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की मंगलकामना के साथ हुआ।

बाबा बागेश्वर के भाई शालिग्राम को पुलिस ने किया गिरफ्तार, किसान पर गोली चलाने का है आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। राजनगर थाना क्षेत्र में गौशाला के पीछे स्थित जमीन को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग और अंकित मिश्रा शामिल हैं। मामले में एक नामजद आरोपी समेत एक अन्य आरोपी अब भी फरार है। दरअसल, छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़ा में मंगलवार को फायरिंग का मामला सामने आया। पीड़ित किसान मोतीलाल कुशवाहा ने आरोप लगाया कि बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग ने उन्हें गोली मारी। घायल किसान का दावा है कि क्षेत्र के किसानों पर जमीन बेचने का दबाव बनाया जा रहा है। उनका आरोप है कि जो किसान जमीन बेचने से इनकार करते हैं, उन्हें धमकाया और मारपीट की जाती है। मोतीलाल कुशवाहा के अनुसार, इसी विवाद के दौरान उन पर गोली चलाई गई, जिससे वे घायल हो गए। पूरे मामले को लेकर बाबा बागेश्वर ने कहा कि शालिग्राम से उनका कोई लेना-देना नहीं है और यह बात वे तीन साल पहले भी स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने अपील की कि हर घटना में उनका नाम नहीं जोड़ा जाए। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उनका परिवार केवल जैविक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरा समाज और पूरा विश्व ही उनका परिवार है। वे समाज, राष्ट्र और सनातन धर्म के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि छतरपुर जिला और उनका परिवार बहुत बड़ा है, इसलिए कहीं न कहीं घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे मामलों को व्यक्तिगत रूप से उनसे जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस किसी ने भी अपराध किया है, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। 'जो दोषी है, उसे कानून कठोर से कठोर दंड दे और भगवान भी उसे दंड दें।' उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की विस्तृत जानकारी नहीं है, इसलिए वे तथ्यों पर टिप्पणी नहीं करेंगे।

जोन-4 कार्यालय के औचक निरीक्षण में सख्त दिखे नगर आयुक्त

भवन के नवीनीकरण, मीटिंग हॉल, रिवॉर्ड रूम और लिफ्ट स्थापना के निर्देश; स्वच्छता, जल निकासी व पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की भी समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को नगर निगम के जोन-4 स्थित जोनल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की स्थिति, साफ-सफाई, नागरिक सुविधाओं और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी, जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला, अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने कार्यालय भवन का निरीक्षण करते हुए अधिशासी अभियंता को भवन का व्यापक नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के द्वितीय तल पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीटिंग हॉल और रिवॉर्ड रूम विकसित करने के साथ ही कार्यालय परिसर में कर्मचारियों और आम नागरिकों की सुविधा के लिए लिफ्ट स्थापित कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जब्त किए गए सामान और परिसर में रखी जब्त पॉलीथिन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जब्त सामग्री का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा कार्यालय परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और अव्यवस्था मुक्त रखा जाए, ताकि कर्मचारियों और आम लोगों को बेहतर वातावरण मिल सके। नगर आयुक्त ने डूडा (डिस्ट्रिक्ट अर्बन डेवलपमेंट एजेंसी) के काउंटर का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्राप्त आवेदनों और उनके निस्तारण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए तथा लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने जोनल कार्यालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया और जोनल सेनेटरी ऑफिसर को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मलिहाबाद के सिद्धार्थ ग्लोबल स्कूल में कक्षा 4 के छात्र की बेरहमी से पिटाई का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ)। मलिहाबाद-मोहन रोड स्थित सिद्धार्थ ग्लोबल स्कूल एक बार फिर गंभीर आरोपों के चलते चर्चा में है। कक्षा 4-बी में पढ़ने वाले छात्र ओमजी त्रिपाठी, पुत्र अखिलेश चंद्र त्रिपाठी, निवासी शाहपुर तोंडा, के साथ स्कूल के शिक्षक हसीब द्वारा बेरहमी से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि होमवर्क पूरा न होने और हिन्दू होने पर शिक्षक ने बच्चे को इतनी बुरी तरह पीटा कि वह घर पहुंचने के बाद लड़खड़ाकर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। घटना के बाद परिवार में भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवार के अनुसार, छात्र नियमित रूप से स्कूल जाता है। आरोप है कि जिस दिन होमवर्क पूरा नहीं हो पाया, उसी बात को लेकर शिक्षक हसीब ने कक्षा के भीतर बच्चे के साथ मारपीट की। परिजनों का कहना है कि बच्चे के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए और उसकी हालत बिगड़ गई। घर पहुंचते ही वह गिर पड़ा, जिसके बाद परिजन घबरा गए। बच्चे के पिता अखिलेश चंद्र त्रिपाठी ने स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि स्कूल में बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है तो यह बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा है। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने मलिहाबाद थाने पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। परिवार ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य बच्चे के साथ ऐसी घटना न हो। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि शिक्षक हसीब बच्चे के साथ धार्मिक आधार पर भेदभाव करते हैं। इसी तरह का दावा कुछ अन्य छात्रों के हवाले से भी किया गया है कि शिक्षक अधिकांश हिंदू बच्चों के साथ अलग व्यवहार करते हैं। वहीं जब स्वतंत्र प्रभात के संवाददाता ने इसकी पड़ताल की और स्कूल के अन्य बच्चों से बात किया तो बच्चों ने बताया कि शिक्षक हसीब अधिकांश हिन्दू बच्चों से भेदभाव करते रहे हैं घटना के बाद कई अभिभावकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि स्कूल बच्चों के सीखने और सुरक्षित वातावरण का स्थान होता है, जहां किसी भी प्रकार की शारीरिक हिंसा स्वीकार्य नहीं हो सकती। अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल प्रशासन इस मामले पर स्पष्ट जवाब दे और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। फिलहाल यह मामला पुलिस तक पहुंच चुका है। पुलिस शिकायत के आधार पर जांच कर रही है। जांच के दौरान छात्र, अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक तथा अन्य संबंधित लोगों के बयान लिए जा सकते हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और लगाए गए आरोप कितने सही हैं। अभिभावकों का आक्रोश, शिक्षक को स्कूल से निकालो जांच के बाद ही स्पष्ट होगी सच्चाई।